दैनिक

महाराष्ट्र समाचार

संपादक :अकबर खान

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

वर्ष : 11 अंक : 165 मुंबई, सोमवार, 15 अप्रैल-2024 E-mail:dailymaharashtrasamachar@gmail.com मूल्य 3.00 रूपया पृष्ठ - 06 RNI.No.HHIN/2013/53656

भाजपा ने जारी किया संकल्प पत्र

एकसाथ चुनाव और समान नागरिक संहिता का वादा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को संकल्प पत्र नाम से पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संकल्प पत्र का लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने संकल्प पत्र को 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने का मिशन बताया। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र युवा, नारी, गरीब और किसान को सशक्त करने की हमारी सोच से प्रेरित है। भाजपा लोगों को सम्मान के साथ गुणवत्तापूर्ण जीवन और नए अवसर देना चाहती है। उन्होंने एकसाथ राज्यों एवं केन्द्र में चुनाव और समान नागरिक संहिता पर जोर देते हुए अपने अगले कार्यकाल में भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई की गारंटी दी।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्रियों, पार्टी नेताओं, कार्यकताओं और मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत के संकल्प को दोहराया। संकल्प पत्र में उल्लेखित गारंटियों को जिक्र करते हुए उन्होंने देश के समाजिक, डिजिटल और भौतिक ढांचागत सुविधाओं को विस्तार देने की अपनी सरकार की नीति को जारी रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आने पर राष्ट्रीय सहकारिता नीति लाई जाएगी, श्री अन्न पर बल दिया जाएगा, पश्चिमी भारत के बाद पूर्वी, उत्तरी और दक्षिणी भारत में बुलेट ट्रेन लाई जाएगी, वंदे भारत का मेट्रो, स्लीपर और चेयरकार तीन रूपों में विस्तार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने वर्तमान में जारी सरकार की योजनाओं को आगे भी जारी रखने और विस्तार देने की गारंटी दी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना का लाभ 70 वर्ष के अधिक आयु के बुजुर्गों को दिया जाएगा। योजना के तहत 5 लाख तक का मुफ्त इलाज कराया जा सकता है। तीन करोड़ नए घर बनाए जाएंगे। लोगों के घरों तक सस्ती पाइप के माध्यम से गैस पहुंचाई जाएगी। मुद्रा ऋण को दोगुना यानी 20 लाख किया जाएगा। तीन करोड़ लखपति दीदी बनाई जाएंगी। महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, जनजातीय गौरव दिवस, एकलव्य स्कूल, तमिल भाषा को बढ़ावा दिया जाएगा। लोगों को 80 प्रतिशत कम कीमतों पर जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से सस्ती दवाएं मिलती रहेंगी और गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाना जारी रहेगा।

भाजपा के घोषणा पत्र से महंगाई, बेरोजगारी गायबः राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणा पत्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण से महंगाई और बेरोजगारी गायब हैं। श्री गांधी ने आज यहां सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र और प्रधानमंत्री के भाषण से महंगाई और बेरोजगारी गायब है।उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों के जीवन से जुड़े सबसे अहम मुद्दों पर भाजपा चर्चा तक नहीं करना चाहती। श्री गांधी ने कहा कि इंडिया समूह की योजना बिलकुल स्पष्ट है कि 30 लाख पदों पर भर्ती और हर शिक्षित युवा को एक लाख रुपए की पक्की नौकरी दी जाएगी। युवा इस बार श्री मोदी के झांसे में नहीं आएगा तथा कांग्रेस का हाथ मजबूत कर देश में 'रोजगार क्रांति' लाएगा।

दिल्ली की 3 सीटों के लिए कांग्रेस ने जारी की लिस्ट

कन्हैया कुमार, जेपी अग्रवाल और उदित राज को मिला टिकट

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को दिल्ली की तीन लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। कन्हैया कुमार उत्तर पूर्वी दिल्ली से भाजपा के मनोज तिवारी को चुनौती देंगे। चांदनी चौक से जेपी अग्रवाल जबकि उत्तर पश्चिम दिल्ली सुरक्षित सीट से उदित राज को टिकट दिया गया है। कन्हैया कुमार अपना दूसरा लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बिहार के बेगुसराय से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था तब इखढ नेता गिरिराज सिंह ने उन्हें हरा दिया था।

बता दें कि आम आदमी पार्टी के साथ सीट बंटवारे के समझौते के तहत कांग्रेस सात में से केवल तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस बार कन्हैया कुमार उत्तर पूर्वी दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला सांसद मनोज तिवारी से होगा। मनोज तिवारी ने साल 2019 के चुनाव में दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को हराया था। कांग्रेस ने चांदनी चौक लोकसभा सीट से जय प्रकाश अग्रवाल को मैदान में उतारा है। जय प्रकाश अग्रवाल ने इस सीट से 1984, 1989 और 1996 में जीत दर्ज की थी।

उदित राज उत्तर पश्चिमी दिल्ली की आरक्षित सीट से लड़ेंगे। उन्होंने 2014 में भाजपा के टिकट पर इस सीट से जीत दर्ज की थी।

राजद का परिवर्तन पत्र जारी, एक करोड़ युवाओं को नौकरी देने का वादा

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने शनिवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया, जिसमें उसने एक करोड़ युवाओं को रोजगार और महिलाओं को साल में एक लाख रुपया देने समेत 24 वादे किये हैं।

राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने शनिवार को यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपना घोषणा पत्र, जिसे परिवर्तन पत्र नाम दिया गया है जारी कर दिया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए जारी परिवर्तन पत्र में 24 वादे किए गए हैं, जिसमें पूरे देश में एक करोड़ नौकरी, गरीब महिलाओं को साल में एक लाख रुपए, 500 रुपए में गैस सिलेंडर, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 10 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसनई) और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा शामिल है।

श्री तेजस्वी यादव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, "बिहार में 17 साल बनाम 17 महीने की तर्ज पर हम सभी सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों में रिक्त 30 लाख पदों के अलावा 70 लाख पदों का सृजन कर कुल एक करोड़ नौकरियां देंगे। हम संविदा और अस्थायी पदों को नियमित करने के लिए भी तेजी से अभियान चलाएंगे। हम लोगों से ये वादा करते हैं कि बिहार में जिस प्रकार नौकरी का मतलब तेजस्वी हो गया है यही वादा हम इस चुनाव में एक प्रतिबद्ध संकल्प के रूप में लेते हैं। अतः केंद्र में राजद समर्थित गठबंधन की सरकार के गठन के छह महीने के अंदर एक करोड़ नौकरियों की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी।

सलमान खान के घर के बाहर 4 राउंड फायरिंग एक्शन में मुंबई पुलिस

मुंबई /अकबर खान

मुंबई, बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर पर हुई गोलीबारी मामले में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच एक्शन में आ गई है। रविवार सुबह 4:55 बजे मुंबई स्थित एक्टर के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने 4-5 गोलियां दागी थीं। इसके बाद से ही दोनों फरार हैं। घटना के फौरन बाद जहां पुलिस में हरकत में आ गई, वहीं दिनभर सलमान खान के घर पुलिस अधिकारियों का आना-जाना लगा रहा। जिस वक्त यह वारदात हुई, उस वक्त सलमान घर में ही थे। एक ओर जहां इसके बाद एक्टर और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है, वहीं पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए 15 टीमें बनाई हैं। ये टीम अलग-अलग एंगल से मामले की जांच में जुट गई है, जिसमें गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई का वह फेसबुक पोस्ट भी है, जिसमें उनसे हमले की जिम्मेदारी ली है।

मुंबई की बांद्रा पुलिस ने दो अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है। सलमान खान के सुरक्षा गार्ड के बयान के आधार पर यह मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि दोपहर के आसपास सेंट मेरी चर्च के बाहर हमलावर की मोटरसाइकिल लावारिस हालत में मिली है। पुलिस घटना के वक्त सलमान के घर के आसपास लगी सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाल रही है। इसमें से एक फुटेज सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है, जिसमें हेलमेट लगाए अज्ञात हमलावरों को देखा जा सकता है। 7.62 कैलिबर की बंदूक से चली गोली, घर के अंदर मिला खोखा

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गोलीबारी में अपराधियों ने 7.62 कैलिबर के हथियार का इस्तेमाल किया गया था। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने 4-5 राउंड गोलियां फायर की हैं। इनमें से एक गोली सलमान की बालकनी के नेट को चीरते हुए अंदर गई। पुलिस ने इस गोली की शेल यानी खोखा एक्टर के घर के अंदर से बरामद किया गया है। अपराधियों ने वहीं मारी गोली, जहां ईद पर खड़े थे सलमान खान

फॉरेंसिक टीम को गैलेक्सी अपार्टमेंट की दीवार पर गोलियों के निशान मिले हैं। एक्टर के घर की तरफ चार गोलियां फायर की गईं, जिसमें से एक गोली बालकनी की नेट पर लगी। यह गोली वहीं मारी गई, जहां गुरुवार को ईद के मौके पर सलमान खान अपने पिता के साथ खड़े होकर फैंस से रूबरू हुए थे। घर पर जो चार गोलियां चलाई गईं, उनमें से एक घर की खिड़की के नीचे वाले हिस्से में लगी। दो गोलियां आस-पास की दीवारों पर, जबकि एक पांचवीं गोली वहीं जमीन पर गिर गई।लॉरेंस बिश्नोई के भाई ने ली जिम्मेदारी, दी लास्ट वॉर्निंग

पुलिस अभी इस हमले की शुरुआती जांच ही कर रही थी कि 11:30 बजे अनमोल बिश्नोई ने फेसबुक पर एक पोस्ट किया। अमेरिका में बैठे अनमोल ने इस पोस्ट में लिखा है कि यह हमला सिर्फ ट्रेलर था। उसने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए लिखा है, ऊं जय श्री राम, जय गुरुजी जम्भेश्वर, जय गुरु दयानंद सरस्वती, जय भारत। हम अमन चाहते हैं। जुल्म के खिलाफ फैसला अगर जंग से हो तो जंग ही सही। सलमान खान हमने ये तुम्हें सिर्फ ट्रेलर दिखाने के लिए किया है, ताकि तुम समझ जाओ, हमारी ताकत को और मत परखो। यह पहली और आखरी वॉर्निंग है। इसके बाद गोलियां खाली घर पर नहीं चलेंगी।

मुख्यमंत्री शिंदे ने की सलमान से बात, एकदम ठीक है भाईजान

मुंबई पुलिस अब अनमोल बिश्नोई के इस कथित पोस्ट की भी जांच कर रही है। इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी फोन पर सलमान खान से बात की है और सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया है। हमले के बाद से ही सलमान खान के घर करीबियों का आना-जाना लगा हुआ है। सलमान के दोनों भाई अरबाज और सोहेल जहां गैलेक्सी अपार्टमेंट पहुंचे, वहीं सलमान के करीबी दोस्त और राजनेता बाबा सिद्दीकी, राहुल कनल और बिजनमैन जफर सरेशवाला भी मिलने पहुंचे। इस मुलाकात के बाद राहुल कनल ने कहा, भाई एकदम ठीक हैं, उन्हें इससे फर्क नहीं पड़ता।

आंबेडकर जंयती पर मुंबई में जमकर गूंजा 'जय भीम'

मुंबई / अकबर खान

मुंबई । डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 125वीं जयंती मुंबई में धूमधाम से मनाई गई। दादरक स्थित चैत्य भूमि पर सुबह से ही आंबेडकर के अनुयायियों और नेताओं का आना जाना लगा रहा और जय भीम का नारा पूरे जोश में गुंजा। मुंबई के अलावा ठाणे, कल्याण, भिवंडी, नवी मुंबई आदि क्षेत्रों में भी आंबेडकर जयंती की धूम रही और कई सारे कार्यक्रम आयोजित किए गए। सामाजिक न्याय मंत्रालय, मुंबई मनपा समेत सभी सरकारी विभागों ने भी आंबेडकर की 125वीं जंयती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। राजनीतिक दलों ने भी आंबेडकर जंयती को धूमधाम से मनाया। विधानसभा सत्र खत्म होने के बाद ज्यादातर मंत्रियों ने अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों में ही आंबेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया।

सुबह-सुबह सीएम पहुंचे चैत्यभूमि

मुख्यमंत्री देवेद्र फडणवीस ने सुबह-सुबह सात-साढे सात बजे के दरम्यान दादर स्थिति चैत्यभूमि पर जाकर बाबासाहेब आंबेडकर को उनकी जंयती पर आभिवादन किया। बाद में दोपहर को मुंबई यूनिवर्सिटी में आंबेडकर भवन के कार्य का शुभारंभ भी मुख्यमंत्री के हाथों हुआ। मुख्यमंत्री के साथ बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष रावसाहेब दानवे पाटील, शिक्षा और सांस्कृतिक मंत्री विनोद तावडे और महाराष्ट्र के राज्यपाल विद्यासागर राव ने भी बाबासाहेब आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

महापौर ने हैलिकॉप्टर से बरसाए फूल

मुंबई महानगर पालिका ने भी डॉ. आंबेडकर की 125वीं जयंती पर उन्हें अभिवादन करने के लिए खास इंतजाम किए थे। चैत्य भूमि पर पुष्प वृष्टि करने के लिए बीएमसी ने हैलिकॉप्टर की व्यवस्था की थी। महापौर ने हैलिकॉप्टर से चैत्यभूमि ऊपर फूल बरसाए।

कांग्रेस की संविधान गौरव यात्रा

कांग्रेस की ओर से आंबेडकर जंयती पर संविधान गौरव यात्रा का आयोजन किया गया। सुबह-सुबह चैत्य भूमि पहुंचकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चव्हाण और मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम के नेतृत्व में पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर पृथ्वीराज चव्हाण, माणिकराव ठाकरे और गुरुदास कामत ने भी बाबासाहेब को अभिवादन किया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोटरसाइकल रैली निकाली जिसे संविधान गौरव यात्रा का नाम दिया गया।

125 किलो के केक

आंबेडकर के 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनके अनुयायियों ने कई जगह उनकी याद में 125 किलो के केक बनाकर उनके प्रति अपना आदर व्यक्त किया। विक्रोली के कन्नमवार नगर और मझगांव में आंबेडकर के अनुयायियों ने 125 किलो के के काटे।

दहेज प्रताड़ना मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

पति के रिश्तेदारों को अक्सर बिना सबूत दहेज एक्ट में लपेट लिया जाता है : कोर्ट

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना मामले में बड़ा आदेश दिया है। उसने कहा है कि 498ए (दहेज प्रताड़ना) मामले में पति के रिलेटिव के खिलाफ स्पष्ट आरोप के बिना केस चलाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। शीर्ष न्यायालय के अनुसार, पति के रिश्तेदार (महिला के ससुरालियों) के खिलाफ सामान्य और बहुप्रयोजन वाले आरोप के आधार पर केस चलाया जाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इस तरह केस नहीं चलाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने महिला के ससुरालियों के खिलाफ चल रहे दहेज प्रताड़ना के केस को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एस. अब्दुल नजीर की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि पति के रिलेटिव यानी महिला के ससुराल वालों के खिलाफ जनरल और बहुप्रयोजन वाले आरोप के आधार पर अगर मुकदमा चलाया जाता है तो यह कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग की तरह होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आजकल दहेज प्रताड़ना यानी आईपीसी की धारा-498ए के प्रावधान का पति के रिश्तेदारों के खिलाफ अपना स्कोर सेटल करने के लिए टूल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह के क्रिमिनल केस जिसमें बरी होना संभावित भी क्यों न हो फिर भी आरोपी के लिए यह गंभीर दाग छोड़ जाता है। इस तरह के किसी प्रयोग को हतोत्साहित करने की जरूरत है।

क्या था पूरा मामला?

महिला के पति और उसके रिलेटिव (ससुरालियों) के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया गया था। एफआईआर और कानूनी कार्रवाई खारिज करने के लिए पति और उसके रिश्तेदारों ने पटना हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। हाई कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में पति के रिश्तेदारों यानी महिला के ससुरालियों ने अर्जी दाखिल कर क्रिमिनल केस खारिज करने की गुहार लगाई। याचिका में कहा गया कि उन्हें प्रताड़ित करने के लिए यह केस दर्ज किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने अपने अहम फैसले में कहा कि दहेज प्रताड़ना का कानून महिलाओं को दहेज प्रताड़ना से बचाने के लिए बनया गया है। लेकिन, यह भी सही है कि हाल के सालों में विवाहिक विवाद काफी बढ़े हैं। शादी के संबंध में कई मामले में काफी तनाव देखने को मिला है। इस कारण इस बात की प्रवृत्ति बढ़ी है कि अपना स्कोर सेटल करने के लिए पति के रिश्तेदारों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना कानून का इस्तेमाल टूल की तरह हो रहा है।

सम्पादकीय

पर्यावरणीय जवाबदेही

यह जानते हुए भी कि प्रकृति के साथ इंसानी क्रूरता से उपजे ग्लोबल वार्मिंग संकट ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है, हमारी सरकारें इस गंभीर चुनौती के मुकाबले को लेकर उदासीन नजर आती हैं। आज दुनिया में हर साल करोड़ों लोगों को अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखे, बाढ़ व चक्रवातों की वजह से विस्थापन का दंश झेलना पड़ रहा है। वैश्विक स्तर पर खेतों में खाद्यान्न उत्पादकता में कमी आई है। साथ ही लाखों लोगों को अपने जीवन से हर साल हाथ धोना पड़ता है। लेकिन विकसित देशों द्वारा जलवायु परिवर्तन पर बड़े सम्मेलनों के आयोजन के अलावा इस संकट से निपटने के लिये युद्धस्तर पर कोई कोशिश होती नजर नहीं आती। सिर्फ जुबानी जमाखर्च के अलावा कोई ठोस पहल विकसित व विकासशील देशों के स्तर पर अब तक नहीं हुई है। यही वजह है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभाव के प्रति सरकारी निष्क्रियता को चुनौती देने वाली स्विस वृद्ध महिलाओं द्वारा दायर याचिका पर यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला सरकारों की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऐतिहासिक आदेश इस बात पर बल देता है कि जलवायु परिवर्तन प्रभावों से सुरक्षा मांगना एक मौलिक मानव अधिकार है। निस्संदेह फैसला पूरे यूरोप के लिये एक नजीर होनी चाहिए।

यह फैसला बताता है कि जलवायु संकट से निपटने की तत्काल जरूरत है। सरकारों को जलवायु अनुकूल नीतियों को लागू करने में दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी होगी। साथ ही सरकारों को जवाबदेह बनाने वाले सार्वजनिक दबाव व नागरिक सक्रियता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। निस्संदेह नागरिकों की जागरूकता को कमतर नहीं आंका जा सकता। जाहिर बात है कि यदि लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता व प्रत्याशा को जलवायु संकट बुरी तरह प्रभावित कर रहा हो तो सरकारें कैसे उदासीन बनी रह सकती हैं। तमाम अध्ययनों से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन से जहां हमारी खाद्य शृंखला खतरे में है, वहीं तमाम तरह के नये-नये घातक रोग सामने आ रहे हैं। जिनसे निपटने के लिये तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।निश्चित रूप से यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला पूरे विश्व के लिये मार्गदर्शक साबित हो सकता है। हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसले में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जीवन रक्षा को हमारे संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों की श्रेणी में रखा था। कोर्ट ने माना था कि जलवायु परिवर्तन का असर सीधा जीवन के अधिकार पर पड़ता है। अदालत ने एक फैसले में कहा था कि जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों से बचने के लिये नागरिकों के अधिकारों की दृष्टि से स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला यूरोपीय व अमेरिकी देशों की जलवायु नीतियों को भी नया आकार प्रदान करने में सहायक होगा। यह फैसला जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकारों के अंतर्संबंध को प्रदर्शित करते हुए बताता है कि पर्यावरणीय संकट के कारण हाशिये पर आने वाले समुदायों को तत्काल संरक्षण प्रदान करने की जरूरत है। पर्यावरण के स्तर पर उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियां समाज में हाशिये पर रहने वाले समाजों को असंगत रूप से प्रभावित करती हैं। साथ ही सामाजिक असमानता को बढ़ाती हैं। भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में जनजातियों के सामने भोजन व पानी का संकट पैदा हो रहा है। इन उपेक्षित समुदायों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। निश्चित रूप से नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन से जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में खासी मदद मिल सकती है। वैकल्पिक ऊर्जा का प्रयोग न केवल जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करता है बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिये स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करके सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देता है। निश्चित रूप जलवायु परिवर्तन प्रभावों पर अदालत का फैसला एक आदर्श बदलाव का संकेत भी है। जो जलवायु बदलावों के प्रभावों से निपटने तथा भविष्य की पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा के लिये सरकारों को जवाबदेह बनाता है।

कंगना जैसे लोग भाजपा के आभूषण हैं

भारतीय जनता पार्टी के दस वर्षीय शासनकाल में जो विवेकशून्य और ज्ञानहीन लोगों की खेप इस संगठन में उतारी गई है उनमें हालिया नाम कंगना रनौत का है। भाजपा व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आंखों में बहुत कम समय में चढ़ने वाली कंगना को हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। हिन्दी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में उनकी पहचान बनी है परन्तु उनका भाजपा में स्वागत व समावेश इस कारण से हुआ है क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ समय से भाजपाविरोधी दलों व नेताओं के खिलाफसतत बयानबाजी की है। बयान भी ऐसे ऊलजलूल कि वे भाजपा जैसे दल के लिये ही स्वीकार्य और स्वागत योग्य हो सकते हैं। वैसे तो कंगना अपने बयानों से लोगों का ध्यान खींचती रही हैं परन्तु उनका ताऽाा-तरीन बयान विशेष चर्चा में आया है। उन्होंने एक न्यूऽा चौनल में कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री सुभाषचन्द्र बोस थे जिनका आज तक कहीं पता नहीं है।श् उनके इस बयान पर नेताजी के पोते चंद्रकुमार बोस ने उन्हें फटकार लगाई है। देश के सर्वाधिक सम्मानित नेताओं में से एक सुभाष बाबू के वारिस ने कहा कि श्किसी को भी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिये इतिहास को विकृत नहीं करना चाहिये। सवाल यह है कि क्या कंगना रनौत इतिहास से इतनी अनभिज्ञ हैं कि उन्हें यह भी नहीं पता कि जिस लोकसभा में प्रवेश पाने के लिये वे मतदाताओं के बीच पसीना बहा रही हैं, उसी सदन में (बेशक पुराना भवन) करीब 75 वर्ष पहले जवाहरलाल नेहरू नामक व्यक्ति ने पीएम के पद पर बैठकर एक-दो नहीं वरन 17 वर्ष देश का नेतृत्व किया था। स्कूल की निचली कक्षाओं में भी गये हर छात्र को नेहरू का नाम अनगिनत सन्दर्भों में पढ़ने का अवसर मिलता है। कंगना इतनी तो पढ़ी-लिखी हैं ही कि वे भी एकाध ऐसे अध्यायों से जरूर होकर गुजरी होंगी। असली बात यह है कि 2014 में खुली वाट्सएप यूनिवर्सिटी में वे स्वेच्छा से पढ़ाई करने के लिये दाखिल हुई छात्रा हैं। इस विश्वविद्यालय की खासियत यह है कि इसमें दीक्षित होने के लिये किसी भी विद्यार्थी को अपनी पहले की स्लेट को पूरी तरह से पोंछकर आना पड़ता है। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा तैयार किये गये सिलेबस को रटकर समाज के बीच जाना पड़ता है तभी उसे इतना होनहार माना जाता है कि वह बगैर किसी अनुभव के ही सीधे लोकसभा चुनाव का टिकट पा सकता या सकती है। कहना न होगा कि इस पाठ्यक्रम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय इतिहास होता है। नये सिरे से लिखे गये इतिहास में पराजितों को विजेता घोषित करने से लेकर गद्दारों को देशभक्त बनाने और मध्ययुग के अंधकार को विकसित भारत का प्रकाश बतलाने से लेकर दुनिया भर के ज्ञान-विज्ञान को अपनी उपलब्धियां बतलाने वाले लम्बे-लम्बे अध्याय हैं। छात्र-छात्राओं को अपनी ओर से इसमें तोड़-मरोड़ की भी पर्याप्त सुविधा व स्वतंत्रता होती है। कंगना इस विश्वविद्यालय की होनहार छात्रा हैं। ऐसा नहीं कि उनकी इस योग्यता को रातों-रात मान लिया गया हो। उन्होंने कई मौकों पर यह साबित किया है। उन्होंने ही कुछ अरसा पहले बतलाया था कि देश को वास्तविक आजादी 1947 में नहीं वरन 2014 में मिली थी। यह वही बयान हैं जिससे मोदी एवं भाजपा को उनकी प्रतिभा का भान हुआ होगा। हालांकि उसके पहले जब वे महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चली शिवसेना-कांग्रेस-एनसीपी सरकार से उलझती रहीं, तो भी माना गया था कि वे पार्टी के लिये उपयोगी हैं। उन्हें बाकायदे उच्चस्तरीय सेक्युरिटी दी गई है। उन्हें उनके अभिनय के लिये पद्मश्री पुरस्कार भी दिया गया। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भव्य उद्घाटन अवसर पर जिन गिने-चुने लोगों को आमंत्रित किया गया था उनमें वे अग्रिम पंक्ति की मेहमान थीं। उनके वे वीडियो भी खूब वायरल हुए हैं जिनमें वे उमंग में भरकर इतनी ऊंची आवाज में जयश्री राम के नारे लगा रही हैं कि वह सम्भवतरू स्वर्ग में विराजमान प्रभु तक अवश्य पहुंची होगी। उसी का यह नतीजा हो सकता है कि उन्हें बगैर किसी सियासी अनुभव या पार्टी में प्राथमिक स्तर पर काम किये बिना लोकसभा में पहुंचाने की भाजपा ने ठानी। उनके लिये भाजपा ने अपने उस नियम व ख्याति के विपरीत फैसला लिया है जिसमें कहा जाता है कि यही ऐसी पार्टी है जिसमें बड़ा पद पाने के पहले किसी को भी छोटे से छोटे स्तर पर कार्यकर्ता का काम करना होता है। - **(एजेंसी)**

लोकसभा चुनावों में भ्रष्टाचार जनता के सामने कोई मुद्दा नहीं रहेगा

नन्तू बनर्जी

भ्रष्टाचार से कौन डरता है? निश्चित रूप से भारत के राजनीतिक दल तो बिल्कुल नहीं, जो वर्तमान लोकसभा चुनाव अभियान में एक-दूसरे के खिलाफलड़ रहे हैं। न ही आम जनता, जो वर्षों से देश की भ्रष्टाचार की दुष्ट व्यवस्था का हिस्सा रही है। केंद्रीय जांच एजेंसियों, जैसे कि सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग, द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों पर चुनिंदा विपक्षी राजनीतिक पार्टियों और राज्य नेताओं के परिसरों पर छापे और गिरफ्तारियों से आम जनता की यह धारणा बदलने की संभावना नहीं है कि सभी राजनीतिक दल भ्रष्ट हैं। उनका मानना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की चुनाव पूर्व गिरफ्तारी का संबंध किसी और चीज से ज्यादा लोकप्रिय राजनेता को चुनाव अभियान में भाग लेने से रोकने के इरादे से है। आम तौर पर, राजनीतिक दलों और अधिकांश मतदाताओं के सामने भ्रष्टाचार एक गैर-मुद्दा है। राज्य के विपक्षी नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप अक्सर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद हटा दिये जाते हैं, जो केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रमुख राजनीतिक इकाई है, जो चुनाव पूर्व भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का नेतृत्व करती है। यदि प्रफुल्लपटेल, जो केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री रहते हुए कथित तौर पर 25,000 करोड़ रुपये के विमान खरीद घोटाले में शामिल थे, के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, जो महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ राजनीतिक गठबंधन के नेतृत्व में सरकार में शामिल हुई है, उसे भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने के बाद हटाया जा सकता है तो इसके मुकाबले दिल्ली की शराब नीति में सुधार के मामले में भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हाल ही में ईडी की गिरफ्तारी में भ्रष्टाचार की राशि मामूली प्रतीत होगी क्योंकि इसमें दिल्ली के सत्तारूढ़ दल को केवल 100 करोड़ रुपये का हस्तांतरण शामिल होने का दावा किया गया है। प्रफुल्ल पटेल के कार्यकाल के दौरान एयर इंडिया भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई क्लोजर रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है। हाल ही में कांग्रेस पार्टी ने दाग हटाने के लिए भाजपा की वॉशिंग मशीन कैसे काम करती है, इसका लाइव डेमो दिया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का कहना है कि सत्ताधारी पार्टी का फॉर्मूला है भाजपा में शामिल हो जाओ, केस बंद। इस तथ्य को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी का मकसद आप सुप्रीमो को चल रहे लोकसभा चुनाव अभियान से रोकना हो सकता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन 2020 में, केजरीवाल की आप ने दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को चौंका दिया। केजरीवाल की गिरफ्तारी ईडी द्वारा अन्य विपक्षी राज्य-स्तरीय नेताओं के खिलाफहाल ही में की गई इसी तरह की कार्रवाई से अलग है। आम चुनाव से एक महीने से भी कम समय पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी आप कार्यकर्ताओं और जनता के बीच कई सवाल खड़े करती है। इसके विरोध में पूरा विपक्ष दिल्ली की सड़कों पर उतर आया था। तथाकथित दिल्ली शराब घोटाले में राज्य सरकार द्वारा शराब की खुदरा बिक्री के निजीकरण का मार्ग प्रशस्त करना शामिल था। राष्ट्रीय सरकार द्वारा सस्ते में हवाई अड्डों, बंदरगाहों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निजीकरण के बारे में क्या कहना है? दुर्भाग्य से भाजपा के लिए, केजरीवाल की गिरफ्तारी ने भारत सरकार के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आलोचना पैदा करने के अलावा राष्ट्रीय सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफपूरे विपक्ष को एकजुट करने में मदद की है। भारत को दुनिया के सबसे भ्रष्ट बड़े लोकतंत्रों में से एक माना जाता है। भारत के बड़ी संख्या में राजनीतिक क्षत्रप वित्तीय भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक कार्रवाइयों में शामिल माने जाते हैं। उनमें से कुछ को अपने खिलाफलगाये गये ऐसे आरोपों या यहां तक कि अपनी दोषसिद्धि पर गर्व भी महसूस हुआ होगा। उदाहरण के लिए, लगभग 10,000 करोड़ रुपये के बड़े चारा घोटाला मामले में दोषी ठहराये गये 75 वर्षीय बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन इंडिया में एक प्रमुख नेता बने हुए हैं। दोषी ठहराये जाने पर, लालू प्रसाद यादव ने 17 अप्रैल, 2021 तक जेल की सजा काट ली, और उन्हें एक अन्य मामले में पटना उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दे दी गई। विपक्ष को एकजुट करने में लालू प्रसाद की सक्रिय भूमिका को लेकर अब किसी को शिकायत नहीं है। न ही लालू प्रसाद शर्म से मुंह छिपा रहे हैं। अपराध और भ्रष्टाचार लोकतांत्रिक भारत के राजनीतिक जीवन का हिस्सा रहे हैं। जेल में रहने के कारण अक्सर राजनीतिक नेताओं को रिहा होने के बाद उनके अनुयायियों के सामने एक शक्तिशाली नेता की छवि मिल जाती है। इससे यह स्पष्ट हो सकता है कि विभिन्न पार्टियों में इतने सारे दागी राजनीतिक नेता विधायक बनने के लिए सार्वजनिक जनादेश प्राप्त करने में कैसे कामयाब होते हैं। एसोसिएशन फॉरडेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 40प्रतिशत मौजूदा सांसदों ने अपने खिलाफआपराधिक मामले घोषित किए थे, जबकि 25 प्रतिशत विधायकों पर हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, और महिलाओं के खिलाफअपराध जैसे गंभीर अपराधों के आरोप थे। एडीआर रिपोर्ट, जिसका शीर्षक था भारत की लोकसभा और राज्यसभा के मौजूदा सांसदों का विश्लेषण 2023, पिछले साल जारी की गई थी। उनकी खराब सजा दर के लिए ईडी और सीबीआई को पीड़ित राजनीतिक दलों और जनता दोनों द्वारा शायद ही कभी गंभीरता से लिया जाता है। राज्यों या केंद्र में सत्ता में बैठे अधिकांश राजनेता बेशर्मी से भ्रष्टाचार में ही लगे रहते हैं। कोई राजनीतिक दल जितने लंबे समय तक सत्ता में रहता है, उसका भ्रष्टाचार का स्तर उतना ही मजबूत होता है। राज्यों में, यह पुलिस और सी.आई.डी. जैसी राज्य जांच एजेंसियों को नियंत्रित करता है। केंद्र की सत्ता में पार्टी या उसका घटक दल ईडी और सीबीआई जैसी राष्ट्रीय जांच एजेंसियों को नियंत्रित करता है। ऐसा कहा जाता है कि सरकारी प्रक्रियाओं, निर्णय लेने और सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता की कमी भ्रष्ट आचरण के लिए उपजाऊ जमीन प्रदान करती है। राजनीतिक भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने का एकमात्र तरीका हर पांच साल में सरकार को बदलने के लिए मतदाताओं द्वारा मतपत्र की शक्ति का उपयोग करना है। इससे सत्ताधारी पार्टी को पुलिस, विभिन्न जांच एजेंसियों और प्रशासन के साथ एक मजबूत और स्थायी गठजोड़ बनाने से रोका जा सकेगा, ताकि सरकारी फंड को लूटने से बचाया जा सके और रिश्वतखोरी और खर्चों में हेराफेरी जैसी अन्य भ्रष्ट गतिविधियों को नियंत्रित रखा जा सके। पुलिस, जांच एजेंसियों और प्रशासन को चुनाव के बाद पूरी तरह से नयी सरकार द्वारा अपने कार्यों या निष्क्रियताओं के खिलाफ जांच से डरने की उम्मीद रहेगी। सरकार का नियमित परिवर्तन अच्छी लोकतांत्रिक प्रथाओं और शासन के लिए मौलिक है। मतदाताओं और सरकार के संयुक्त प्रयासों से ही भ्रष्टाचार को खत्म किया जा सकता है। भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को दंडित करने के कानूनों को नियमित रूप से लागू किया जाना चाहिए। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के शब्दों में, श्जब अपराधी निर्वाचित प्रतिनिधि बन जाते हैं और कानून निर्माता बन जाते हैं, तो वे लोकतांत्रिक प्रणाली के कामकाज के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इस खतरनाक बहाव को सभी राजनीतिक दलों के साथ-साथ न्यायपालिका द्वारा भी रोका जाना चाहिए।श् इसकी बहुत कम संभावना है कि उन्होंने केंद्र में बहुमत वाली सत्तारूढ़ पार्टी को अपने विवाद से बाहर रखा।

इस्लामोफोबिया से मुकाबिल संयुक्त राष्ट्र संघ : एक प्रशंसनीय पहल

राम पुनियानी

कुछ सालों पहले संयुक्त राष्ट्र संघ में एक प्रस्ताव प्रस्तुत कर पाकिस्तान ने यह मांग की थी कि वर्ष के किसी एक दिन को इस्लामोफोबिया के खिलाफअंतरराष्ट्रीय दिवसश् घोषित किया जाए। उस समय कई देशों, जिनमें भारत भी शमिल था, ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि फोबिया अर्थात उनके प्रति डर के भाव से कई अन्य धर्म भी पीड़ित हैं। प्रस्ताव का विरोध करने वाले देशों की संख्या कम थी और संयुक्त राष्ट्र संघ ने अंततरू 15 मार्च को श्इस्लामोफोबिया के खिलाफअंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित कर दिया। दुर्भाग्यवश, पिछले महीने इस दिवस पर कोई चर्चा नहीं हुई। इस साल संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए इस मांग को स्वीकार कर लिया है कि इस्लामोफोबिया से मुकाबला करने के लिए विशिष्ट कार्रवाइयां करने हेतु विशेष दूत की नियुक्ति की जाए। यह मांग भी पाकिस्तान की ओर से आई थी और इसका भी भारत सहित कई देशों ने विरोध किया था। प्रस्ताव पर बोलते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टी.एस. तिरूमूर्ति ने कहा कि पूरी दुनिया में धर्मों और पंथों पर लक्षित हिंसा में बढ़ोतरी हो रही है। कुछ लोग यहूदियों के विरूद्ध हैं, कुछ ईसाईयों के और कुछ हिन्दुओं के। बौद्धों और सिक्खों के विरूद्ध हिंसा की घटनाएं भी होती रहती हैं। उनके अनुसार दुनिया में बहुत से फोबिया हैं। उन्होंने यह भी कहा कि -श्हम सब जानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 16 नवम्बर को सहिष्णुता दिवस घोषित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि श्बहुवाद इन सभी फोबिया से निपटने के लिए पर्याप्त है और इस्लामोफोबिया के लिए अलग से कुछ किये जाने की जरूरत नहीं है सच क्या है? क्या अन्य धर्मों के खिलाफ फोबिया और इस्लामोफोबिया में कोई फर्क है? यह सही है कि दुनिया में अलग-अलग धर्मों के लोगों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फोबिया का सामना पड़ा है। अगर हम दक्षिण एशिया की बात करें तो श्रीलंका में तमिल हिन्दुओं और पाकिस्तान में सभी हिन्दुओं को प्रताड़ित किया गया। इसी तरह श्रीलंका, पाकिस्तान और भारत में भी ईसाई प्रताड़ित किये गये हैं। वर्तमान में तालिबान-शासित अफगानिस्तान में रह रहे सिक्ख हर तरह से परेशान हैं। तो फिर इस्लामोफोबिया अन्य धर्मों के प्रति फोबिया से इतना अलग क्यों है कि संयुक्त राष्ट्र संघ को उससे मुकाबला करने के लिए एक विशेष दिवस की घोषणा करनी पड़ी और एक विशेष दूत नियुक्त करना पड़ा? यह हमारा दुर्भाग्य है कि वर्तमान में वैश्विक राजनीति पर पहचान से जुड़े मुद्दों का वर्चस्व है। श्रीलंका में लिट्टे के सदस्यों के दमन के पीछे नस्लीय मुद्दे थे। वैश्विक स्तर पर इस्लामोफोबिया की आमद से बहुत पहले से भारत में मुसलमान अलग-अलग तरह से डराये-धमकाये जाते थे और उनके प्रति नफरत का भाव भी था। इसके कारण उनके खिलाफहिंसा भी होती थी। तो ऐसे में इस्लामोफोबिया अलग क्यों है और वह अन्य धार्मिक फोबिया से अधिक डरावना क्यों है? केवल धर्म के आधार पर किसी को प्रताड़ित करने या किसी से नफरत करने का पागलपन बहुत पुराना है। इस मामले में इस्लामोफोबिया एक नई परिघटना है। इस्लामोफोबिया का उदय सन् 1970 के दशक में हुआ जब अमेरिका के पिट्ठूरजा शाह पहलवी को अपदस्थ कर अयातुल्ला खुमैनी ने ईरान में सत्ता संभाली। उस समय अमेरिका ने यह कहा कि इस्लाम दुनिया के लिए नया खतरा है। श्टाईमश् पत्रिका की कवर स्टोरी का शीर्षक था श्इस्लाम एज द न्यू थ्रेटश। नया खतरा क्यों? वह इसलिए क्योंकि उस समय तक अमरीकी मीडिया कम्युनिज्म को स्वतंत्र दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बताता था। स्वतंत्र दुनिया से आशय था श्अमेरिका के वर्चस्व वाली दुनियाश। उस समय अमेरिका की राजनैतिक और आर्थिक दादागिरी को रूस (सोवियत संघ) के नेतृत्व वाला समाजवादी गुट ही चुनौती दे रहा था। उस समय अमेरिका ने दुनिया को यह समझाया कि कम्युनिज्म उसके लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस विचार, जिसे दुनिया का सबसे ताकतवर देश फैला रहा था, को पूरी दुनिया ने स्वीकार कर लिया। इससे कार्ल मार्क्स का वह कथन एक बार फिर सही साबित हुआ कि श्शासक वर्ग के विचार ही शासन करते हैंश। शनैः शनैः समाजवादी रूस कमजोर होता गया और फिर 1990 के दशक में वह पूरी तरह बिखर गया। अब दुनिया के सबसे ताकतवर देश को लड़ने के लिए कोई और दानव चाहिए था। यह वह समय था जब अमेरिका अपने पिट्ठू पाकिस्तान में मदरसों की स्थापना कर रहा था। महमूद ममदानी ने अपनी पुस्तक श्गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिमश् में सीआईए के दस्तावेजों के हवाले से लिखा है कि अमेरिका ने ही इन मदरसों का पाठ्यक्रम तैयार किया। यह पाठ्यक्रम इस्लाम के एक संकीर्ण (वहाबी) संस्करण पर आधारित था। अमेरिका ने करीब 800 करोड़ डालर और स्ट्रिंगर मिसाईलों सहित 7,000 टन गोला-बारूद इन मदरसों में से पढ़कर निकले युवकों पर खर्च किए। ये युवक मुजाहिदीन कहलाते थे और बाद में इन्हीं से तालिबान और अलकायदा उपजे। हिलेरी क्लिंटन ने खुल्लम-खुल्ला कहा था कि अमेरिका को अफगानिस्तान में रूसी कम्युनिस्टों ने लड़ने के लिए जुनूनी युवक चाहिए थे इसलिए उसने तालिबान को खड़ा किया और रूस की अफगानिस्तान से वापसी के बाद तालिबान को भी मदद देना बंद कर दिया। अमेरिका का उद्देश्य था पश्चिम एशिया में तेल के कुंओं पर कब्जा करना। उसकी सभी नीतियां इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई थीं। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर 9ध्11, 2001 को हुए हमले में करीब 3,000 निर्दोष लोग मारे गये। मरने वालों में सभी धर्मों और सभी देशों के लोग थे। इसे बहाना बनाकर अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया जिसमें 60,000 से ज्यादा जानें गईं। उसके बाद इस आधार पर ईराक पर हमला किया गया कि ईराक के पास महासंहारक हथियारों का जखीरा है। मगर ईराक पर कब्जा करने के बाद अमेरिका वहां एक भी ऐसा हथियार नहीं ढूंढ सका। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला, जिसे ओसामा-बिन-लादेन की कारगुजारी बताया जाता है, के बाद अमरीकी मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द गढ़ा। अमेरिका राजनैतिक, आर्थिक और सैन्य दृष्टि से दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश है। जाहिर है कि उसका मीडिया भी दुनिया में सबसे शक्तिशाली है और इसी के कारण दुनियाभर के मीडिया ने श्इस्लामिक आतंकवादश् शब्द का प्रयोग करना शुरू कर दिया और इसी से इस्लामोफोबिया का जन्म हुआ। एक समय सैम्युअल हंटिंगटन का एक सिद्धांत बहुत प्रसिद्ध था। इसे क्लैश ऑफसिविलाईजेशन्स (सभ्यताओं का टकराव)श् कहा जाता था। उस समय ऐसी मान्यता थी कि पिछड़ी हुई इस्लामिक सभ्यता और विकसित पश्चिमी सभ्यता में वैश्विक स्तर पर टकराव होगा। इस्लामोफोबिया के कारण ही अमेरिका में मुसलमान समझकर एक सिक्ख की हत्या कर दी गई। इस्लामोफोबिया के कारण ही अमेरिका में एक पादरी ने कुरान की एक प्रति जलाई। फिर एक अमरीकी ईसाई ने एक फिल्म बनाई जिसका शीर्षक था श्इनोसेन्स आफ मुस्लिम्सश। इस फिल्म की एक क्लिप जो वायरल हुई थी में लंबी दाढ़ी वाले मुसलमानों को ईसाईयों पर हमले करते दिखाया गया था। हम सब को डेनमार्क की एक पत्रिका में प्रकाशित वह कार्टून याद है जिसमें पैगम्बर मोहम्मद को अपनी पगड़ी में एक बम छिपाए हुए दिखाया गया था। जाहिर है कि यह सब इसलिए हुआ क्योंकि पूरी दुनिया में इस्लाम के प्रति एक डर का भाव पैदा कर दिया गया। सबको लगने लगा कि इस्लाम और मुसलमान दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। सभ्यताओं के टकराव के सिद्धांत को गलत सिद्ध करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने हर संभव प्रयास किए। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव कोफी अन्नान ने इस सिद्धांत की पड़ताल करने के लिए एक उच्च स्तर समिति की नियुक्ति की। इस समिति, जिसमें एक भारतीय सदस्य भी था, ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की उसका शीर्षक था श्एलायन्स आफसिविलाईजेशन्सश् अर्थात सभ्यताओं का गठबंधन। इस रिपोर्ट में यह कहा गया था कि मानव जाति ने जो भी उन्नति की है उसमें सभी सभ्यताओं, धर्मों और संस्कृतियों का योगदान रहा है। अब चूंकि दुनिया भर में अमेरिका का बोलबाला है इसलिए इस रिपोर्ट को मीडिया ने नजरअंदाज कर दिया और इस्लामोफोबिया बना रहा। भारत में समस्या और गंभीर इसलिए है क्योंकि यहां पहले से ही साम्प्रदायिक राजनीति के कारण विभिन्न समुदायों के बीच शत्रुता का भाव था। वैश्विक इस्लामोफोबिया ने मुसलमानों के खिलाफ नफरत में और इजाफा किया। स्वाधीनता संग्राम के दौरान मुस्लिम साम्प्रदायिक ताकतें हिन्दुओं के खिलाफ नफरत फैलाती थीं और हिन्दू साम्प्रदायिक ताकतें (हिन्दू महासभा और आरएसएस) मुसलमानों के खिलाफ। स्वतंत्रता के बाद मुस्लिम साम्प्रदायिक ताकतें कमजोर पड़ गई जबकि हिन्दू साम्प्रदायिक ताकतें और शक्तिशाली होती गईं और इस कारण ही देश में इस्लामोफोबिया व्याप्त है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस्लामोफोबिया से मुकाबला करने के लिए जो कदम उठाए हैं वे सराहनीय और उम्मीद जगाने वाले हैं।

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन-वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे-अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है। देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फशब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों क सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है। भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं- जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है। यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को, परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें। राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाठशाला के प्रधानाचार्य की तरह अपने दल के कार्यकर्ताओं को पाठ पढ़ाया कि वह झूठे एवं बेबुनियाद आरोपों की परवाह किए बिना तेजी से काम करें। जबकि विपक्षी दलों की सारी की सारी कवायद में एक अनर्थ सच्चाई के ही दर्शन हुए क्योंकि जैसे केवल चेहरे बदलने से दामन के दाग नहीं धुल जाते, वैसे ही कुछ युवा चेहरों को सामने खड़ा करने से क्रांतिकारी सोच पैदा नहीं की जा सकती। भ्रष्टाचार के मुद्दे को व्यक्तिगत आरोपों की झड़ी लगाकर पृष्ठभूमि में डालने की कोशिश की जा रही है। कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत-विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं। हमें अतीत की भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना। वर्तमान के हाथों में जीवन की संपूर्ण जिम्मेदारियां थमी हुई हैं। हो सकता है कि हम परिस्थितियों को न बदल सकें पर उनके प्रति अपना रूख बदलकर नया रास्ता तो अवश्य खोज सकते हैं। -**(एजेंसी)**

दैनिक महाराष्ट्र समचार मलिक मुद्रक प्रकाशांन व संपादक अकबर खान प्लोट ने 302, वी पी वर्डे रोड ए ,आर औटो वोर्क्स बिहाइंड गेटी सिनेमा बांद्रा वैस्ट मुंबई -400050 महाराष्ट्र, मोबाइल नंबर 9152073782. प्राचीता प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड- गला नः13 मकबा बिल्डिंग नियर एस ब्रिज एन एम जोशी मर्ग भैकल्ला वैस्ट मुंबई- 400027. किसी भी सुरत में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

देश के संविधान को बदलना चाहती है भाजपा

राजद नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर केंद्र सरकार पर बोला हमला

गया,14 अप्रैल **(एजेंसी)।** गया के औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत इमामगंज विधानसभा क्षेत्र के जमुना मैदान और गया लोकसभा क्षेत्र के वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र में राजद नेता तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा में केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के लोग लोकतंत्र की हत्या कर संविधान को बदल देना चाहते हैं। आपके अधिकार को छिनना चाहते हैं। आज भाजपा ने घोषणा पत्र जारी किया है लेकिन बिहार के लिए कुछ नहीं था।

भाजपा के घोषणा पत्र में बिहार के नौजवानों के लिए नौकरी का जिक्र भी नहीं था। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार से पलायन कैसे रुकेगा, इसका भी जिक्र नहीं था। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि आज भाजपा का घोषणापत्र भी जारी हुआ है लेकिन भाजपा के घोषणापत्र में नौकरी के बारे में नहीं है, रोजगार के बारे में नहीं है, गरीबी कैसे कम करेंगे उसके बारे में नहीं है। हमें लगा था कि पीएम मोदी बिहार को कुछ देंगे लेकिन कुछ भी नहीं दिया। इस देश में 80 फीसदी किसान हैं। उन किसान भाइयों को लिए भी पीएम मोदी ने कुछ नहीं किया। तेजस्वी यादव भाषण देते हुए ने एनडीए पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि 18 साल से एमपी एनडीए का है। उन्होंने

यूसीसी से हिंदू जनता को क्या लाभ : सपा

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मोहम्मद आजम ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने पिछले 10 साल के कामकाज में अपना वादा नहीं निभाया है। रोजगार देने और गरीबी दूर करने का वादा पूरा नहीं हो पाया है। इसीलिए भाजपा ने समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को उछालने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों के पीछे केंद्र सरकार अपनी कमी छिपाने की कोशिश कर रही है। इसके बहाने वह एक वर्ग को खुश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता के लिए रोटी-रोजगार प्राथमिकता है, हिंदू जनता को भी समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को लाने से उसका कोई लाभ नहीं होगा।

क्या काम किया है आपके लिए। यह आपको विचार करना है। इन क्षेत्रों में लगातार आप देखेंगे विधायक भी एनडीए का, सांसद भी एनडीए का, प्रधानमंत्री भी एनडीए का, मुख्यमंत्री भी 18 साल से एनडीए का ही है। आपके इमामगंज की गरीबी और बेरोजगारी के लिए क्या-क्या किया। महंगाई क्यों नहीं कम किया।

यह लोकतंत्र व संविधान को बचाने का है चुनाव : यादव

तेजस्वी यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अभी देख रहे हैं कि खेत में फसल लगा हुआ है। कटनी शुरू है, लेकिन किसानों को सही फसल का दम नहीं मिलता है। आज आप लोग जानते हैं बाबा साहब अंबेडकर की जयंती है। यह देश बनाने, गांव संवारने और लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। एनडीए के गढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने चिलचिलाती धूप में नौजवानों को खड़ा देख सभी लोगों के जज्बे को सलाम किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि अभय कुशवाहा को लालू ने लालटेन थमाया है, इसलिए आप लोग इनको जीत हासिल करवाईये। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं इसी मैदान में पिछली बार 2020 में आया था। तब हमने कहा था कि एक मौका दीजिए। तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाइएगा तो 10 लाख लोगों को नौकरी देंगे। चाचा जी के लिए हमारी शुभकामनाएं है, वह जहां रहे स्वस्थ रहें, अच्छे से रहे। हमे 17 महीने के लिए उपमुख्यमंत्री बनाया। 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी नहीं दे पाए। लेकिन 5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का काम किया। चाचा जी पलट गए नहीं तो अभी तक 10 लाख सरकारी नौकरी लोगों को दे देते।

भाजपा की कथनी व करनी में बहुत अंतर है : हरीश रावत

भाजपा के घोषणापत्र पर उत्तराखंड के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि यह एक खोखला घोषणा पत्र है, हमारा कार्य नीति से संबंधित घोषणा पत्र है। भाजपा ने कभी भी घोषणा पत्र को गंभीरता से नहीं लिया। जनता उनके वादों से वाकिफ है। भाजपा की कथनी और करनी में बहुत अंतर है। जनता इस बार भाजपा की गारंटी जब्त करने जा रही है, भाजपा हारने वाली है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रितु चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पिछले 10 साल में देश में युवाओं को रोजगार और गरीबों को न्याय देने में असफल रही है। इस संकल्प पत्र में भी ज्यादातर पिछली बातों को ही दोहराया गया है। राशन योजना को आगे पांच साल तक जारी रखने की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी।

सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी याचिका

SC के दो जजों की बेंच आज करेगी सुनवाई

नई दिल्ली/सवाददाता। दिल्ली शराब घोटाला मामले में जेल में बंद सीएम अरविंद केजरीवाल की ईडी द्वारा की गई गिरफ्तारी वाली याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। दो जजों की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी और उसके बाद शराब नीति घोटाला मामले में उनकी रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर 15 अप्रैल को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को खारिज कर दिया था और उनकी गिरफ्तारी को सही ठहराया था। हाई कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिसपर अब सुनवाई होगी।

सीएम केजरीवाल ने शराब घोटाला मामले में ईडी की गिरफ्तारी को अवैध बताया है। इसके खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में दायर की गई याचिका पर 10 अप्रैल को सुनवाई हुई थी और उच्च न्यायालय ने उन्हें राहत नहीं दी थी। हाईकोर्ट ने अपने 10 अप्रैल वाले आदेश में कहा था कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी अवैध नहीं है क्योंकि जांच एजेंसी के पास उन्हें जांच में शामिल करने के

लिए कोई और विकल्प नहीं बचा था। उन्हें बार-बार समन भेजकर पेश होने के लिए कहा गया लेकिन वो पेश नहीं हुई। इसी वजह से उनकी गिरफ्तारी की गई, जो अवैध नहीं है।

सुकेश ने खत लिखा, कहा-बड़ा खुलासा करूंगा

वहीं तिहाड़ जेल में बंद महाठग सुकेश चंदशेखर ने एक और खत लिखा है, जिसमें उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, सतेंद्र जैन और कैलाश गहलोत के बारे में जिक्र किया है। इस खत में उसने दावा किया है कि जल्द बड़ा खुलासा करूंगा और ई चैट्स सामने लाऊंगा। उसने लिखा है कि 50 करोड़ की डील को लेकर ये खुलासा होगा। साथ ही लेटर में जेल सुपरिटेंडेंट धनंजय रावत पर आरोप लगाया है कि वो उस पर दबाव बना रहा है कि सुकेश कोई भी आम आदमी पार्टी के खिलाफ सबूत लीक न कर पाए।

सार संक्षेप

दूषित पेयजल आपूर्ति को लेकर जम्मू में किया प्रदर्शन

जम्मू। जम्मू में नल से दूषित जल की आपूर्ति के खिलाफ लोगों ने रविवार को विरोध-प्रदर्शन किया और जल शक्ति विभाग (पूर्व में सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग) के खिलाफ नारेबाजी की। यहां के न्यू कंपनी बाग, ओल्ड यूनिवर्सिटी कैंपस लेन के निवासियों ने नारेबाजी करते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान कैम्पस कार्यालय लेन के सामने नाली की चल रही मरम्मत और निर्माण कार्य के मद्देनजर पिछले एक महीने से दूषित पानी की आपूर्ति का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

महाराष्ट्र में फूड प्वॉइजनिंग से व्यक्ति की गई जान

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के माजरी कोलियरी क्षेत्र में फूड प्वॉइजनिंग से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा 75 से अधिक लोगों के बीमार होने की खबर है। पुलिस ने बताया कि चैत्र नवरात्रि की पूर्व संध्या पर एक मंदिर में धार्मिक समारोह के दौरान लोगों को प्रसाद बांटा गया था। घर पहुंचने के बाद उनमें से कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद 79 लोगों को आधी रात को वरोरा सिविल अस्पताल ले जाया गया। इनमें से एक व्यक्ति की मौत गई, जबकि बाकी लोगों को इलाज चल रहा है।

आरिफ मोहम्मद ने दी विशु उत्सव की बधाई

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को विशु त्योहार के अवसर पर दुनिया भर के मलयाली लोगों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि मैं विशु के आनंदमय अवसर पर केरल के लोगों और दुनिया भर के अन्य केरलवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, जो प्रचुरता की अवधि की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह फसल उत्सव अधिक समृद्धि, संतुष्टि एवं एकजुटता की शुरुआत करें और प्रकृति मां की रक्षा करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करे।

तेलंगाना में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के हिमायत सागर में रविवार तड़के एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। दुर्घटना रविवार तड़के तब हुई, जब एक कार पर सवार चार लोग शमशाबाद से गाचीबोवली की ओर जा रहे थे। उसी दौरान कार अनियंत्रित होकर आउटर रिंग रोड के डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई व तीन घायल हो गए। पुलिस को संदेह है कि तेज रफ्तार के कारण दुर्घटना हुई। घायलों को निजी अस्पताल शमशाबाद में भर्ती कराया गया है जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया।

सी.पी.डब्ल्यू.डी द्वारा कैंसर रोगियों के लिए योग थेरेपी वास्तव में बहुत उपयोगी है

मुंबई । संवाददाता

मुंबई, योग और जीवन एक सिक्के की तरह एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, यह सत्य है। हालाँकि, यह योग कैंसर रोगियों के लिए बहुत उपयोगी है, यह बात सुप्रसिद्ध योग चिकित्सक डॉ. बी.के. महराना ने साबित की है, जो लंबे समय से कैंसर रोगियों को नियमित रूप से योग सिखा रहे हैं। योग, ध्यान और योग से संबंधित थेरेपी के नियमित अभ्यास के बाद कैंसर रोगियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए तनाव और चिंता से राहत मिल सकती है।

विक्रांत वर्मा, कार्यकारी अभियंता (सिविल), सी.पी.डब्ल्यू.डी जिन्होंने जी.के.के, सामुदायिक केंद्र, सेक्टर-1, एंटोफिल, मुंबई में गरीब कैंसर रोगियों के लिए मुफ्त योग चिकित्सा लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। श्री वर्मा ने कहा, हमें यह जानकर बेहद खुशी हुई कि डॉ बिजय महराना द्वारा योग चिकित्सा के नियमित अभ्यास के बाद कई कैंसर रोगियों को राहत मिल रही है, हमें यह भी पता चला कि कुछ बाहरी स्टेशन के रोगियों को योग का नियमित अभ्यास करने में परेशानी हो रही है, हमें बहुत जल्द आउट स्टेशन के मरीजों के लिए जी.के.के. कम्युनिटी सेंटर में आवास की व्यवस्था की योजना बना रहे हैं, जिसका नवीनीकरण कार्य बहुत जल्द पूरा हो जाएगा।

सी.पी.डब्ल्यू.डी. के मुख्य अभियंता रमेश गर्ग ने कहा, इस साल योग दिवस कैंसर रोगियों के लिए बहुत खास होगा, 1 मई, 2024 से सी.पी.डब्ल्यू.डी. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए विशेष योग सत्र आयोजित करने जा रहा है।

झारखंड में मतदान की तैयारियों पर बोले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

मतदाताओं को नैतिक मतदान के लिए करें प्रेरित

रांची, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। सुनीता देवी कहती हैं, इस बार के चुनाव में किसी प्रलोभन में न आकर अपने समझ से सही उम्मीदवार को चुनना है। पैसा, शराब या किसी अन्य प्रकार के लुभावन अथवा बहकावे में आकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल नहीं करना बल्कि सोच समझकर अपने मत का इस्तेमाल करना है।

सुनीता देवी गुमला, सिसई के राज्यकीयकृत मध्य विद्यालय लावागंई, चेगरी स्थित मतदान केंद्र के बूथ लेवल अवेरनेस ग्रुप से जुड़ी हैं। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.रवि कुमार इस मतदान केंद्र का जायजा लेने पहुंचे थे। वे जानना चाहते थे कि सुनीता लोगों को नैतिक मतदान के विषय में क्या जानकारी दे रहीं हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन के समय काफी गर्मी रहने वाली है। इसे देखते हुए मतदाताओं एवं मतदान कर्मियों के लिए सभी मतदान केंद्रों पर

नैतिक मतदान को बढ़ावा देने के लिए बूथ लेवल जागरूकता समूह बनाया गया है : के.रवि कुमार

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पेयजल, शौचालय, रनिंग वाटर, बिजली, शेड जैसी न्यूनतम सुविद्याएं उपलब्ध रहेंगी। साथ ही सभी मतदान केंद्रों पर वरिष्ठ एवं दिव्यांग मतदाताओं की सहायता के लिए वॉलेंटियर नियुक्त किए गए हैं। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.रवि कुमार ने कहा कि नैतिक मतदान को बढ़ावा देने के लिए बूथ लेवल अवेरनेस ग्रुप भी बनाया गया है। वे आज सिसई के राज्यकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय भुसरी स्थित मतदान केंद्र संख्या 20 एवं 21, राज्यकीयकृत मध्य विद्यालय लावागंई चेगरी स्थित मतदान केंद्र संख्या 22 एवं 23, बिशुनपुर के सामुदायिक भवन बोरांग स्थित मतदान केंद्र संख्या 109 एवं बिशुनपुर के राजकीय मध्य विद्यालय कटिया स्थित मतदान केंद्र संख्या 108 के निरीक्षण के क्रम में बूथ अवेयरनेस ग्रुप, वॉलेंटियर्स एवं बीएलओ से मिलकर उनके निर्वाचन संबंधित जबाबदेहियों से अवगत कराते हुए उनका संवेदीकरण कर रहे थे।

मतदाता सूची से मतदाताओं के विषय में ली जानकारी

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा संबंधित मतदान केंद्रों के मतदाता सूची से क्रमवार मतदाताओं के विषय में बीएलओ से जानकारी मांगी सभी बीएलओ द्वारा आपने क्षेत्र के मतदाताओं की समुचित जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को दी गई। उन्होंने मतदान दिवस, फॉर्म 6 कब तक भरे जा सकते है, क्षेत्र में आई नई बहुओं को मतदाता सूची में जोड़े जाने की प्रक्रिया, ईवीएम/वीवीपैट आदि मतदान से जुड़े विभिन्न विषयों पर बीएलओ की जानकारी से अवगत हुए। इस अवसर पर बीएलओ द्वारा दिए गए जवाबों से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पूर्णत: संतुष्ट हुए। उन्होंने इस अवसर पर मतदान के दिन नियुक्त वॉलेंटियर से भी बात की एवं उनके कार्यों के विषय में उन्हें पूरी संवेदनशीलता के साथ सजग रहने का निदेश दिया। निरीक्षण के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी, उप निर्वाचन पदाधिकारी गुमला सहित गुमला जिला के निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारीगण एवं कर्मी उपस्थित रहे।

बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती कार्यक्रम में हाथापाई, 3 जख्मी, 61 लोगों के खिलाफ मुकदमा

महाराष्ट्र / संवाददाता

मुंबईःअहमदनगरः महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में डॉ बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती कार्यक्रम के दौरान बड़ा विवाद हो गया। शहर के दिल्लीगेट पर अंबेडकर की जयंती के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में दो गुटों में बहस हो गई। जो कि बाद में हाथापाई में बदल गई। यह घटना रात करीब 9:30 बजे की है। इस बीच तोफखाना थाने में दोनों गुटों के करीब 61 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कैसे हुआ विवाद?

दरअसल शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे शहर के अहमदनगर-नीलक्रांति चौक पर भारत रत्न डॉ स्वर्गीय बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में भीम गीत की जगह दूसरा गाना बजाने को लेकर पूर्व नगरसेवक अजय साल्वे के बेटे और विजय पठारे के बीच नोकझोंक हुई। इसने बाद में तूफानी मारपीट का रूप ले लिया। इसी दौरान पठारे के 15 से 20 कार्यकर्ताओं ने बहस शुरू कर दी और कुर्सियां फेंक दीं। साथ ही छोटे हथियारों के प्रयोग के कारण कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

झड़प में तीन लोग घायल

इस झड़प में तीन लोग घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद दोनों गुटों की महिलाओं ने तोफखाना थाने के सामने धरना देकर मामला दर्ज करने की मांग की। इससे तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने समय रहते हस्तक्षेप किया और दोनों समूहों से शांत रहने की अपील की। इसके बाद माहौल शांत हो गया।

आरोपियों को पकड़ने में जुटी पुलिस

उधर, घटना की जानकारी मिलते ही उपाधीक्षक भारती और तोपखाना पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक दराडे पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इस घटना में साल्वे की शिकायत पर तोफखाना थाने में विजय पठारे समेत 15 लोगों के खिलाफ जान से मारने की कोशिश, दंगा फैलाने समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इलाके की फुटेज देखकर आरोपियों की गिरफ्तारी में जुट गई है।

झाँसी मीडिया कलब मे ईद मिलन व वार्षिक होली मिलन

मुंबई / अकबर खान

मुंबई, झांसी मीडिया क्लब में ईद मिलन और वार्षिक होली मिलन का समारोह रंगारंग कार्यक्रमों के बीच संपन्न हुआ। सभी पत्रकारों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद और होली, की बधाइयां दी। शनिवार को सीपरी बाजार स्थित एक स्थानीय विवाह घर में झांसी मीडिया क्लब का ईद और होली मिलन समारोह आयोजित किया

गया। इस दौरान शिव अंकित नटराज कानपुर दल ने अपने साथी कलाकारों के साथ शिव तांडव, मथुरा वृंदावन की होली समेत अनेकों भक्ति गीतों पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर सभी का ध्यान आकर्षित कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पत्रकारों ने एकता पर बल दिया। कार्यक्रम का आयोजन झांसी मीडिया क्लब अध्यक्ष मुकेश वर्मा, भारतीय मीडिया संघ के उपाध्यक्ष सुल्तान आब्दी के नेतृत्व में यह

कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार रामकुमार साहू, शीतल प्रसाद तिवारी, रामगोपाल शर्मा, रिपुसूदन नामदेव, भूपेंद्र रायकवार, विष्णु दुवे, पी एन दुबे, राजीव सक्सेना, राकेश शर्मा, विनोद गौतम, रवि साहू, अरविंद भार्गव, विवेक राजौरिया, अमित रावत, दीपक त्रिपाठी, सरिता सोनी, नईम खान, पारस शर्मा, राहुल कोष्ठा, प्रमेंद्र सिंह, अतुल वर्मा, विजय कुशवाह, अख्तर खान, कुंदन सोलंकी, रोहित झा, ऋषि कोस्टा, नवल किशोर शर्मा, नवीन यादव, बृजेंद्र चतुर्वेदी, श्याम राजपूत, बृजेंद्र खरे, अरुण वर्मा, पंकज भारती, आकाश कुलश्रेष्ठ, आफरीन, मोहम्मद कलाम कुरैशी, असलम खान, आयुष साहू, रविंद्र आर्य, मनोज तिवारी, विक्रम पटेल, रईस खान, श्रीराम नरवरिया, महेंद्र राज, आदि पत्रकार उपस्थित रहे।

सफलता | सियाचिन हिमखंड पर कब्जे के 40 साल पर विशेष

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सियाचिन हिमखंड पर है भारत का कब्जा

जम्मू,14 अप्रैल (एजेंसी)। जानकारी के लिए दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धस्थल सियाचिन हिमखंड पर 40 सालों के कब्जे के दौरान 21 हजार फुट की ऊंचाई पर आज तक सिर्फ एक ही लड़ाई हुई है। यह लड़ाई दुनिया की अभी तक की पहली और आखिरी लड़ाई थी जिसमें एक बंकर में बनी पोस्ट पर कब्जा जमाने के लिए जम्मू के हानरेरी कैप्टन बाना सिंह को परमवीर चक्र दिया गया था और उस पोस्ट का नाम भी उन्हीं के नाम पर रखा गया है।

आज पूरे 40 साल हो गए दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धस्थल सियाचिन हिमखंड पर भारत व पाक को बेमायने जंग को लड़ते हुए। यह विश्व का सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित युद्धस्थल ही नहीं बल्कि सबसे खर्चीला युद्ध मैदान भी है जहां होने वाली जंग बेमायने है क्योंकि लड़ने वाले दोनों पक्ष जानते हैं कि इस युद्ध का विजेता कोई नहीं हो सकता। दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनाई गई इस एकमात्र सैनिक पोस्ट पर कब्जे का अभियान शुरू हुआ तो 1987 के मई महीने में चुनी गई 60 सैनिकों की टीम का बाना सिंह भी हिस्सा बने थे। जानकारी के लिए बाना सिंह को जब परमवीर चक्र मिला था तो पाकिस्तान डिफेंस रिव्यू में भी उनकी बहादुरी के चर्चे हुए

■ **21 हजार फुट की ऊंचाई पर आज तक सिर्फ एक ही लड़ाई हुई है**

थे जिसमें लिखा गया था कि 'वह बहादुरी जिसकी कोई मिसाल नहीं है'। 26 जून 1987 को अंतत: 21000 फुट की ऊंचाई पर बनाई गई पाकिस्तानी पोस्ट पर कब्जा कर बहादुरी की गाथा लिखने पर हानरेरी कैप्टन बाना सिंह को बतौर इनाम परमवीर चक्र तो मिला ही था साथ ही इस पोस्ट का नाम उनके नाम पर भी रख दिया गया। विश्व के इतिहास में यह पहला और आखिरी मौका था कि इनती ऊंचाई पर कोई युद्ध लड़ा गया था। पर इस जीत के लिए भारतीय सेना को बहुत कीमत चुकानी पड़ी थी। 22 जून को शुरू हुए आप्रेशन में उसके कई अफसर और जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। कारण स्पष्ट था। गोलाबारी के साथ-साथ मौसम की परिस्थिति उनके कदम रोक रही थी। कई बार इस आप्रेशन को बंद करने की बात भी हुई और इरादा भी जगा था। लेकिन कमान हेडक्वॉर्टर से एक ही संदेश था 'या तो जीत हासिल करना या जिन्दा वापस नहीं लौटना।' और वीरगति को प्राप्त हुए सैनिकों ने इस संदेश का मान रखा था। कैप्टन बाना सिंह को परमवीर चक्र मिला था और आज वे जम्मू के सीमावर्ती गांव रणवीर सिंह पुरा में रहते हैं। वे अपने मिशन को बयां करते हुए बतते थे कि यह बात सियाचिन हिमखंड पर भरतीय फौज के कब्जे के तीन साल बाद की है जब 1987 में पाकिस्तानी सेना ने 21 हजार फुट की ऊंचाई पर कब्जा कर एक बंकर रूपी पोस्ट का निर्माण कर लिया था। मुहम्मद अली जिन्नाह के नाम पर बनाई गई यह पोस्ट भारतीय सेना के लिए समस्या पैदा कर रही थी और खतरा बन गई थी।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

टाटा मोटर्स	0.67 प्रतिशत
टीसीएस	0.45 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.37 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

सन फार्मा	4.01 प्रतिशत
मारुति	3.17 प्रतिशत
पावरग्रिड	2.57 प्रतिशत
टाइटन	2.40 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	2.22 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	71,644
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	80800
वायदा	70,981
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5800-5900
दाल चना	6800-6900
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	10200-10300
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	11800-11900

भारत ने 2023-24 में 18.48 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने 2023-24 में 18.48 गीगावाट की रिकॉर्ड नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी है। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में जोड़ी गई 15.27 गीगावाट क्षमता से 21 प्रतिशत अधिक है। नवीन एवं नवीकरणीय मंत्रालय के ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि, उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए अगले छह साल तक सालाना कम से कम 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने की जरूरत है।

भारत को अगले छह साल में 310 गीगावाट क्षमता जोड़ने की जरूरत

आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च, 2024 तक भारत की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 143.64 गीगावाट है। इसमें 47 गीगावाट की बड़ी जलविद्युत क्षमता (प्रत्येक संयंत्र 25 गीगावाट या उससे अधिक) शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि बड़ी पनबिजली परियोजनाओं सहित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता फिलहाल लगभग 190 गीगावाट है। इसलिए भारत को अगले छह साल में 310 गीगावाट या प्रतिवर्ष औसतन 50 गीगावाट क्षमता जोड़ने की जरूरत है।

मैं अन्य लक्ष्यों की तरह 500 गीगावाट के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य पर भी निर्धारित समय से पहले पहुंच जाऊंगा : आर के सिंह

केंद्रीय बिजली एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने हाल ही में कहा था कि मैं अन्य लक्ष्यों की तरह 500 गीगावाट के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य पर भी निर्धारित समय से पहले पहुंच जाऊंगा। आप देखिए, नवीकरणीय ऊर्जा की हमारी स्थापित क्षमता लगभग 190 गीगावाट है। 103 गीगावाट निर्माणाधीन है।

90 प्रतिशत जीसीसी बना रहे एआई उपयोग की योजना : रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में करीब 90 प्रतिशत वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) अगले दो से तीन आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) और कॉग्निटिव कंप्यूटिंग की क्षमता का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। एएनएसआर की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। भारत में स्थापित नए जीसीसी रणनीतिक रूप से नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर संगठनात्मक दक्षता बढ़ाने के लिए तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों क्षमताओं को आगे बढ़ाने पर केंद्रित हैं। ये जीसीसी जनरेटिव एआई (जेनएआई), एआई/एमएल, डेटा एनालिटिक्स और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में क्षमताओं को बढ़ाते हुए प्रतिभा और प्रौद्योगिकी विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीन-चौथाई से अधिक नए जीसीसी एआई/एमएल, डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन और क्लाउड जैसी नवीन तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठाते हुए 'उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में अपनी भूमिकाओं में महत्वपूर्ण कारोबारी लक्ष्यों को सक्षम करते हैं। कॉर्पोरेट मुख्यालय के विस्तार के रूप में काम करते हुए जीसीसी नई प्रौद्योगिकियों के निर्बाध कार्यान्वयन के लिए 'सैंडबॉक्स' के रूप में काम करते हैं, जहां नवीन विचारों का परीक्षण और परिष्करण किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस माहौल में नई प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन के लिए योजनाओं की व्यवस्थित रूप से कल्पना की जा सकती है, कड़ाई से परीक्षण किया जा सकता है और उन्हें उद्यम के व्यापक रणनीतिक ढांचे में एकीकृत किया जा सकता है।

चुनावों से प्रभावित हो सकते हैं पूंजीगत व्यय व एफडीआई : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। बैंक ऑफ बड़ौदा के एक अध्ययन से पता चलता है कि सरकार का पूंजीगत व्यय और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) जैसे आर्थिक कारक चुनावी सीजन से प्रभावित हो सकते हैं। पिछले आंकड़ों के विश्लेषण से इसका संकेत मिलता है। मगर अध्ययन में यह भी कहा गया है कि अधिकतर आर्थिक कारकों के लिए खास रुझान का पता लगाना कठिन है।

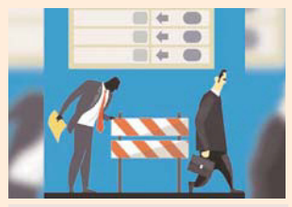

अधिकतर आर्थिक कारकों के लिए खास रुझान का पता लगाना कठिन

साल 2019 के चुनावी महीनों (अप्रैल-मई) के दौरान वित्त वर्ष 2020 के बजट में 3.3 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय के मद में से केवल 14.1 फीसदी हिस्सा ही उपयोग किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'ये पिछले दो वर्षों में देखी गई हिस्सेदारी से कम था। इससे ये निष्कर्ष भी निकाला जा सकता है कि आगामी चुनावों का सरकार के पूंजीगत व्यय पर असर पड़ सकता है क्योंकि चुनावों के कारण कुछ फैसले टाले जा सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि 2024 में यह कैसा रहेगा।'

एफडीआई के मामले में वित्त वर्ष 2020 में कुल एफडीआई 50 अरब डॉलर से अधिक था और अप्रैल-मई 2019 के चुनावों के दौरान इसकी हिस्सेदारी 18.1 फीसदी थी। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, 'यह हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2019 के साथ-साथ वैश्विक महामारी कोविड-19 के बाद के वर्षों की तुलना में कम थी। इसका मतलब यह हो सकता है कि विदेशी निवेशक फैसला करने से पहले चुनाव की प्रगति और परिणाम का अध्ययन कर रहे होंगे। यह 2024 में भी बरकरार रह सकता है।

खाद्य तेलों में उबाल, दालें महंगी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में उबाल आ गया तथा दालें भी महंगी

हो गई जबकि अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे। **तेल-तिलहन :** वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा सप्ताहांत पर 49 रिंगिट उतरकर 4501 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायदा दो सेंट की गिरावट के साथ 46.16 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर खाद्य तेलों में तेजी रही। इस दौरान सरसों तेल 146 रुपए, मूंगफली तेल 73 रुपए, सूरजमुखी तेल 146 रुपए, सोया रिफाइंड 220 रुपए और वनस्पति तेल 133 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 12380 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20073 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12380 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 10842 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8400 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 10133 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चना 200 रुपए, दाल चना 200 रुपए महंगी हो गई।

उपायुक्त ने अनाज मंडियों का दौरा कर व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

सिरसा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा जिला के उपायुक्त आर के सिंह ने जिला की सिरसा, रोड़ी, कालांवाली, डबवाली व ओढां अनाज मंडियों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान सिंह ने फसल खरीद प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी व मंडियों में खरीद के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने अनाज मंडी सिरसा में मार्केट कमेटी कार्यालय में टोकन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी ली तथा मंडियों में आढ़तियों व किसानों से भी बातचीत की।

मंडियों में आढ़तियों व किसानों से की बातचीत

खरीद प्रक्रिया में यह सुनिश्चित करें कि किसानो को टोकन लेने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए : आर के सिंह

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया में यह सुनिश्चित करें कि किसानों को टोकन लेने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए और निर्धारित नमी व तेल की मात्रा के अनुरूप ही सरसों की खरीद की जाए। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मंडी परिसर में सफाई व्यवस्था दुरूस्त होनी चाहिए, इसके साथ-साथ मंडी में फसल बिक्री के लिए किसानों के समक्ष पेयजल आदि की दिक्कत न आए। इसी प्रकार से बिजली की आपूर्ति भी सही हो ताकि रात के समय समस्या न बने। उन्होंने कहा कि बरसात की संभावना को देखते हुए मंडियों में तिरपाल आदि की व्यवस्था की जाए तथा फसल उठान भी सुचारू रूप से करें ताकि आने वाले दिनों में गेहूं की फसल अधिक आने पर मंडियों में अव्यवस्था न हो।

इसी कड़ी में आढती एसोसिएशन आगे आकर मंडियों में अपने-अपने संस्थानों पर बैनर या सेल्फी प्वाइंट लगवाएं।

सार संक्षेप

50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर गोदरेज लॉक्स की नजर

नई दिल्ली। ताले और सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी गोदरेज लॉक्स (तालों समेत) का लक्ष्य तीन साल में बाजार हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का है। कंपनी ने कहा है कि इसके लिए वह सस्ते उत्पाद की नई श्रृंखला लाएगी और मौजूदा उत्पादों की कीमतों में कटौती करेगी। गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सिस्टम्स के कारोबार प्रमुख श्याम मोटवानी ने कहा कि कंपनी के नए उत्पाद मौजूदा तालों की तुलना में 50 प्रतिशत से ज्यादा सस्ते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा तालों को भी सात-आठ प्रतिशत तक सस्ता बनाने का प्रयास किया गया है। मोटवानी ने कहा कि कंपनी लगभग तीन साल में बड़ी बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए मौजूदा तालों के दाम घटाएगी और कम कीमत वाले नए उत्पाद पेश करेगी। मोटवानी ने कहा कि हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने का है।

विदेशी मुद्रा भंडार 548.6 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में जबरदस्त बढोतरी होने से 05 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.98 अरब डॉलर के इजाफे के साथ लगातार सातवें सप्ताह बढ़ता हुआ 548.6 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.95 अरब डॉलर बढ़कर लगातार छठे सप्ताह चढ़ता हुआ 645.6 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 05 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 54.9 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 571.2 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 2.2 अरब डॉलर बढ़कर 54.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

डब्ल्यूटीआई कैब्स की एक हजार ईवी जोड़ने की योजना

नई दिल्ली। बी2बी परिवहन समाधान प्रदाता वाइज ट्रैवल इंडिया लिमिटेड (डब्ल्यूटीआई कैब्स) इस साल अपने बेड़े में 1,000 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) जोड़ेगी। कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक वशिष्ठ ने यह जानकारी दी है। कंपनी हरित परिवहन अभियान के तहत यह कदम उठाने जा रही है। कंपनी देश के दूसरी श्रेणी के शहरों मसलन चंडीगढ़, जयपुर, कोयंबटूर और इंदौर में विस्तार कर रही है। इसके अलावा कंपनी का इरादा सऊदी अरब और सुदूर-पूर्व के देशों के जरिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उपस्थिति दर्ज कराने का है। वशिष्ठ ने कहा कि इस साल हमारा मुख्य लक्ष्य हरित पर है। हम अपने बेड़े में ऐसे वाहनों को शामिल कर रहे हैं जो बिजलीचालित और बायो-सीएनजी हैं। हमारे पास पहले से 300 इलेक्ट्रिक कार हैं। इस साल हम अपने बेड़े में एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कार और बस शामिल करने जा रहे हैं।

तिमाही नतीजों व राजनीतिक हालात पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। मॉरीशस के जरिए भारत में होने वाले निवेश की फिर से जांच किए जाने के संशोधित नियम से घबराए विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की चौतरफा बिकवाली से बीते सप्ताह 75 हजार अंक के शिखर से फिसले शेयर बाजार की अगले सप्ताह कंपनियों के समाप्त वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के नतीजे और भू-राजनीतिक हालात पर नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 3.32 अंक फिसलकर सप्ताहांत पर 74244.90 अंक जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 5.7 अंक बढ़कर 22519.40 अंक पर सपाट बंद हुआ। इस दौरान बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी मिलाजुला रुख रहा। मिडकैप 78.49 अंक चढ़कर सप्ताहांत पर 40909.03 अंक जबकि स्मॉलकैप 160.64 गिरकर 45872.07 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में अपेक्षा से अधिक महंगाई, सकारात्मक रोजगार और विनिर्माण आंकड़ों के कारण जून में फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती की निवेशकों की उम्मीद धराशायी हो गई। इसके अलावा आपूर्ति संबंधी चिंताओं के साथ-साथ मध्य पश्चिम में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ला दिया है, जिससे समग्र बाजार धारणा प्रभावित हुई। इस बीच भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, केंद्रीय बैंक की बढ़ती खरीद और सुरक्षित मांग में वृद्धि के कारण सोने की कीमतों में तेजी देखी गई। इसके विपरीत यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के निकट अवधि में संभावित दर में कटौती के संकेत से बीते सप्ताह यूरोपीय बाजारों ने मजबूत

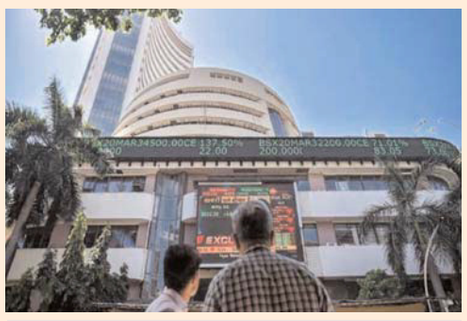

- **बीते सप्ताह सेंसेक्स 3.32 अंक फिसलकर 74244.90 पर रहा**
- **निफ्टी 5.7 अंक बढ़कर 22519.40 पर बंद हुआ**

प्रदर्शन किया। घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के कमजोर परिणाम की संभावना और मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के प्रीमियम मूल्यांकन को देखते हुए एफआईआई सावधानी बरत रहे हैं।

आईटी क्षेत्र में खर्च में मंदी और अमेरिकी नीतिगत दरों की अनिश्चितताओं के बीच चौथी तिमाही की कमजोर आय के कारण समेकन जारी है। बैंकिंग क्षेत्र की धीमी ऋण वृद्धि और दीर्घकालिक औसत से अधिक मूल्यांकन होने के कारण बैंकिंग खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में मुनाफावसूली स्पष्ट है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई निकट अवधि में मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि की ओर इशारा कर रहे हैं। निवेश सलाह देने वाला कंपनी जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायद ने बताया कि निवेशक अगले सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक कंपनियों की चौथी तिमाही के नतीजे और भू-राजनीतिक घटनाओं पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हालांकि स्थिर आय दृष्टिकोण और मूल्यांकन को देखते हुए बढ़ी हुई अस्थिरता के बीच लार्जकैप शेयरों को एक सुरक्षित दाव के रूप में देखा जा रहा है।

बीते सप्ताह गुरुवार को ईद-उल-फितर पर अवकाश रहने से बाजार में चार दिन कारोबार हुआ। दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे मजबूत रहने की उम्मीद में ऑटो, तेल एवं गैस, ऊर्जा, सीडी, धातु और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 494.28 अंक की छलांग लगाकर 74,742.50 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। साथ ही निफ्टी 152.60 अंक की तेजी के साथ 22,666.30 अंक के शिखर पर पहुंच गया।

विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत महज चौबीस सत्रों में 75 हजारी हुआ सेंसेक्स मंगलवार दोपहर बाद टाइटन, रिलायंस, टीसीएस, एलटी, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी और एसबीआई समेत अठारह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में शिखर से फिसल गया। सेंसेक्स 58.80 अंक फिसलकर 74,683.70 अंक और निफ्टी 23.55 अंक उतरकर 22,642.75 अंक पर बंद हुआ।

तमिलनाडु 'ईवी राजधानी' बनने की दौड़ में आगे

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।तमिलनाडु, इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला इंक को अपने राज्य में लाने के लिए उत्सुक है। तमिलनाडु के उद्योग मंत्री, टी.आर.बी. राजा, ने कहा है कि उनका राज्य इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माण के अवसरों के लिए वैश्विक कार कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत करेगा। उन्होंने तमिलनाडु को भारत का डेट्रॉइट बताया, जो मजबूत ऑटोमोटिव उद्योग के लिए जाना जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में देश की सबसे अच्छी इलेक्ट्रिक वाहन नीतियां और ईकोसिस्टम है। तमिलनाडु का मजबूत विनिर्माण बुनियादी ढांचा और सप्लाई चेन, जो पहले से ही निसान, रेनॉल्ट, हुंडई और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियों का समर्थन करती है, टेस्ला के लिए फायदेमंद हो सकता है। अन्य भारतीय राज्य भी टेस्ला का ध्यान आकर्षित करने की होड़ में हैं। टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्लांट स्थापित करने की संभावना पर विचार कर रही है। भारत ग्रीनहाउस गैसों का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है। वे 2070 तक अपनी इकॉनमी को नेट जीरो कार्बन न्युट्रेलिटी प्राप्त करने की तरफ ले जाना चाहते हैं। अपनी विशाल आबादी के साथ, भारत टेस्ला के लिए एक आकर्षक बाजार है। चीन और अमेरिका में ईवी की मांग में धीमी गति के बीच, भारत टेस्ला के लिए एक नया अवसर प्रदान करता है।

अमेजॉन फ्रेश ने मैंगो स्टोर लॉन्च किया

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। गर्मियों के आगमन के साथ ही ताजे और रसीले आमों का आनंद लेने जैसा कोई आनंद नहीं होता है। फलों के राजा के मौसम के साथ, अमेजॉन फ्रेश ने मैंगो स्टोर लॉन्च किया है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले फल आपके दरवाजे पर पहुंचाए जाएं। पोषक तत्वों से भरपूर सफेदा से लेकर स्वादिष्ट बादामी, शहद जैसे सिंधुरा और गूदेदार तोतापरी तक, ग्राहक अमेजॉन फ्रेश पर उपलब्ध 20 से अधिक किस्मों के आमों का आनंद ले सकते हैं। फलों की गुणवत्ता, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सभी आम कार्बाइड मुक्त होते हैं, सुरक्षित रूप से पकाए जाते हैं, और ग्राहकों तक पहुंचने से पहले उन्हें 4-चरणीय कठोर गुणवत्ता जांच प्रक्रिया से भी गुजरना पड़ता है।

इसके अलावा, ग्राहक 1 से 4 अप्रैल तक हमारे मैंगो स्टोर पर आईसीआईसीआई डेबिट और क्रेडिट कार्ड और ईएमआई लेनदेन पर 10 प्रतिशत तक की तत्काल छूट, अन्य प्रमुख क्रेडिट/डेबिट कार्डों से रोमांचक डील्स* के साथ शानदार डील्स और ऑफर का आनंद ले सकते हैं। बैंगलुरू, दिल्ली, फरीदाबाद, गुड़गांव, गाजियाबाद, नोएडा, अहमदाबाद, मैसूर, जयपुर, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता, इंदौर और चंडीगढ़ जैसे 60 से अधिक शहरों में रहने वाले ग्राहक उच्च गुणवत्ता वाले ताजे आमों का आनंद ले सकते हैं और इसे दो से तीन घंटे के डिलीवरी स्लॉट में प्राप्त कर सकते हैं, जो सुबह 6 बजे से मध्यरात्रि तक उपलब्ध है। अमेजॉन फ्रेश के निदेशक श्रीकांत श्री राम ने कहा, 'आम का स्वाद लेना कई लोगों के लिए गर्मियों का एक पसंदीदा अनुष्ठान है, और हम अमेजॉन फ्रेश पर मौसमी मैंगो स्टोर लॉन्च करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

2014 से 2024 तक के आंकड़े दर्शाते हैं भारत की युगांतकारी यात्रा

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले कुछ दशकों में देश की विकास गति को लेकर केंद्र और विपक्ष के बीच विवाद हो सकता है, लेकिन इस तथ्य को नकारा नहीं किया जा सकता कि 2014 से 2024 तक मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण तेजी आई है। पिछले दस वर्षों में अर्थव्यवस्था न केवल दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गई है, बल्कि अगले कुछ वर्षों में शीर्ष तीन में शामिल होने की उम्मीद है। आर्थिक संकेतकों ने उल्लेखनीय उछाल दिखाया है, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि और निर्यात में मजबूत वृद्धि देखी गई है, जबकि विदेशी मुद्रा भंडार और एफडीआई में भी पिछले दस वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

विपक्षी दल हालांकि संख्या को लेकर असहमत हैं और सरकार समर्थक विमर्श बनाने के लिए सत्तारूढ़ दल द्वारा आंकड़ों की बाजीगरी का

- **सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि व निर्यात में मजबूत बढ़ोतरी देखी गई**
- **2014 की चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 4.6 फीसदी रही**
- **2024 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 8.4 फीसदी हो गई**

आरोप लगाते हैं। हालांकि, 2014 से 2024 तक के 'विकास आंकड़ों' के विश्लेषण से पता चलता है कि मोदी सरकार के तहत पिछले दस वर्षों में अर्थव्यवस्था ने कैसे प्रगति की।

2014 और 2024 के बीच वृद्धि का ये है डेटा

2014 की चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 4.6 फीसदी रही, जो 2024 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 8.4 फीसदी हो गई। वित्तवर्ष 2014 में निर्यात 466 अरब डॉलर था जो वित्तवर्ष 2023 में बढ़कर 776 अरब डॉलर हो गया।

वित्तवर्ष 2014 में विदेशी मुद्रा भंडार और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) क्रमश: 303 अरब डॉलर और 36 अरब डॉलर था। दोनों नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए और 10 वर्षों में दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर क्रमश: 645 अरब डॉलर और 83.5 अरब डॉलर हो गए। पिछले दस वर्षों में मुद्रास्फीति और चालू खाता घाटा, अन्य महत्वपूर्ण संकेतक क्रमश: 8.7 फीसदी और 5.1 फीसदी से घटकर 4.8 फीसदी और 1.2 फीसदी हो गए हैं।

धवन कम से कम सात से दस दिन के लिये बाहर : बांगड़

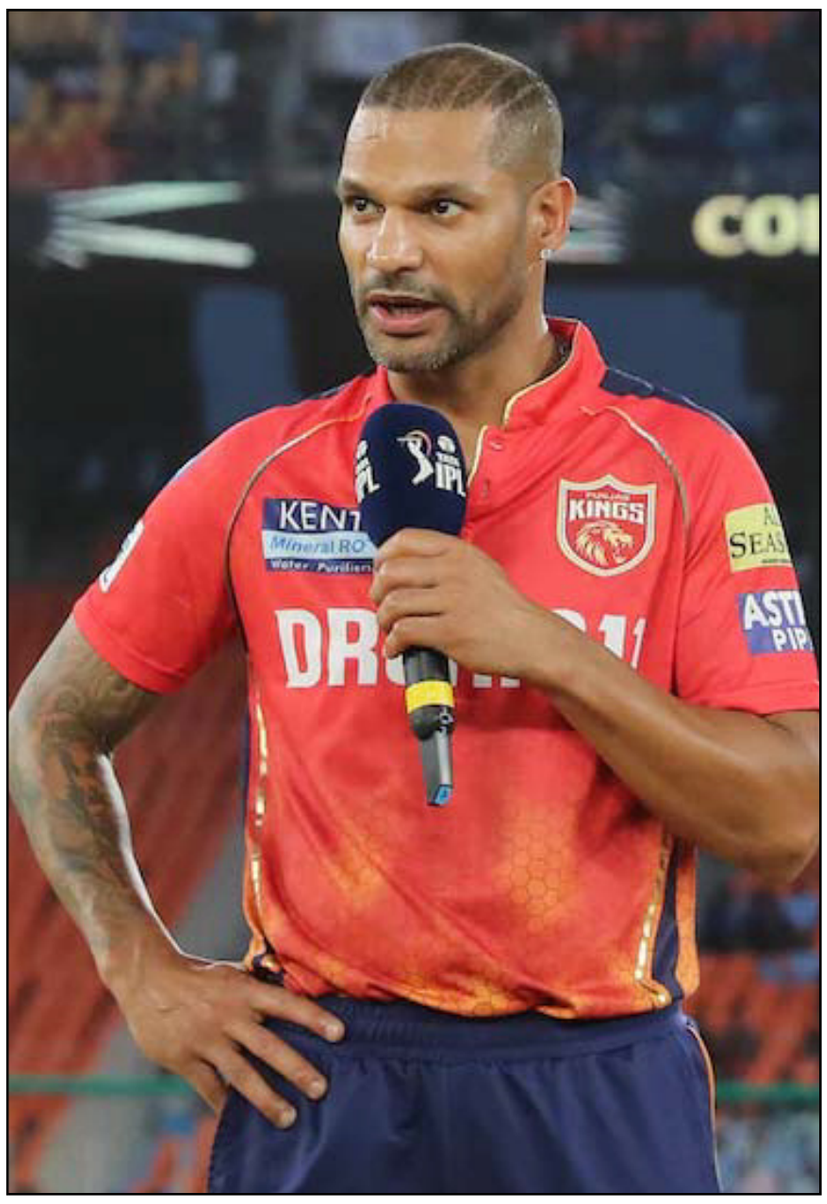

एजेंसी, पंजाब की नुमाइंदगी जितेश शर्मा ने की थी चूंकि धवन बुखार के कारण मुल्लांपुर में ही रह गए थे। इसे देखते हुए रॉयल्स के खिलाफ टॉस के लिये कुरेन का आना हैरानी भरा था लेकिन बांगड़ ने कहा कि उनकी भूमिका हमेशा से तय थी। राजस्थान रॉयल्स से करीबी मुकाबला हारने के बाद पंजाब किंग्स के क्रिकेट विकास प्रमुख संजय बांगड़ ने संकेत दिया कि कप्तान शिखर धवन कंधे की चोट के कारण कम से कम सात से दस दिन बाहर रहेंगे। धवन रॉयल्स के खिलाफभी नहीं खेल सके थे जिनकी जगह सैम कुरेन ने कप्तानी की थी। बांगड़ ने कहा ,'' उसके कंधे में चोट लगी है और वह कुछ दिन और बाहर रहेगा। शिखर जैसा अनुभवी सलामी बल्लेबाज टीम के लिये बहुत जरूरी है।' उन्होंने कहा ,'' देखना होगा कि उपचार कैसा रहता है। इस समय तो लग रहा है कि वह कम से कम सात से दस दिन नहीं खेल सकेगा।'' सत्र की शुरूआत में कप्तानों की बैठक में पंजाब की नुमाइंदगी जितेश शर्मा ने की थी चूंकि धवन बुखार के कारण मुल्लांपुर में ही रह गए थे। इसे देखते हुए रॉयल्स के खिलाफ टॉस के लिये कुरेन का आना हैरानी भरा था लेकिन बांगड़ ने कहा कि उनकी भूमिका हमेशा से तय थी। उन्होंने कहा ,'' सैम पिछले साल भी टीम की कप्तानी कर चुका है। वह ब्रिटेन से देर से आने वाला था और कुछ अभ्यास सत्र में भाग लेना चाहता था। यही वजह है कि बैठक में हमने उसकी बजाय जितेश को चेन्नई भेजा।'' धवन और जॉनी बेयरस्टो टीम को अच्छी शुरूआत नहीं दे सके हैं। धवन की जगह आये अथर्व तायडे भी कुछ नहीं कर सके।

यह सिर्फ कड़े अभ्यास का नजीता है

हेटमायर ने दबाव में छक्के लगाने के बारे में कहा

एजेंसी, मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स के खिलाफ10 गेंद में नाबाद 27 रन की आक्रामक पारी खेल कर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर ने कहा कि वह कड़े अभ्यास के कारण गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाने में सफल रहते हैं। राजस्थान को आखिरी 14 गेंद में 30 रन की जरूरत थी तब हेटमायर और रोवमैन पोवेल (पांच गेंद में 11 रन) की वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की जोड़ी ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को छह मैच में पांचवीं जीत दिलायी। प्लेयर ऑफद मैच' हेटमायर ने अपनी नाबाद पारी में एक चौका और तीन छक्के लगाये। पंजाब को आठ विकेट पर 147 रन पर रोकने के बाद राजस्थान ने 19.5 ओवर में सात विकेट पर 152 रन बनाकर अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। हेटमायर ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, '' यह सिर्फ अभ्यास के कारण संभव है, मैं नेट सत्र पर यथासंभव (बड़े शॉट खेलने का) प्रयास करता हूं। मैं छक्के मारने की पूरी कोशिश करता हूं। मुझे खुशी है कि मैंने आज अपनी टीम की मदद की।'' राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी लेकिन अर्शदीप सिंह ने शुरुआती दो गेंद में एक भी रन नहीं दिया जिससे हेटमायर पर दबाव बढ़ गया था। उन्होंने कहा, ''शुरुआती दो गेंद के बाद दबाव बन गया था लेकिन फिर मैंने गेंद को यथासंभव दूर मारने की कोशिश की।'' उन्होंने तीसरी गेंद पर छक्का और चौथी गेंद पर दो रन लेने के बाद क्रीज पर साथी बल्लेबाज ट्रेंट बोल्ट से एक रन भागने के लिए तैयार रहने को कहा था। उन्होंने कहा, '' मैंने बोल्ट से कहा कि ओवर की पांचवीं गेंद पर अगर मौका मिला तो एक रन भागने से संकोच मत करना क्योंकि इससे मैच बराबरी पर छूटता और टीम के पास सुपर ओवर में जीतने का मौका रहता।'' हेटमायर ने हालांकि छक्का मारकर टीम को जीत दिला दी।

मिचेल मार्श हैमस्ट्रिंग की चोट का इलाज कराने के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस लौटे

एजेंसी, नयी दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स को हरफनमौला खिलाड़ी मिचेल मार्श के दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट का इलाज कराने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटने से बड़ा झटका लगा है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार मार्श को जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया जाना तय है। उन्हें दिल्ली टीम प्रबंधन के साथ परामर्श के बाद वापस बुला लिया गया। मौजूदा सत्र में हालांकि उनकी उपलब्धता पर अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। मार्श ने दिल्ली की टीम के लिए पिछला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफखेला था। वह इसके बाद मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफटीम के पिछले दो मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे। इस सत्र में मार्श का सर्वोच्च स्कोर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ23 रन रहा है। दिल्ली ने इस मैच को 12 रन से जीता था। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ वह खाता खोलने में नाकाम रहे थे। मार्श के अलावा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के चोटिल होने से भी दिल्ली कैपिटल्स की परेशानी और बढ़ गयी है। टीम को अपना अगला मैच बुधवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफखेलना है। शुक्रवार को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ कैच पकड़ने का प्रयास करते समय वार्नर की उंगली में चोट लग गई। उनकी उंगली में सूजन थी और टीम के अहमदाबाद पहुंचने पर उनका स्कैन कराया गया।

मुक्केबाजी ओलंपिक क्वालीफायर के लिए अमित पंघाल की भारतीय टीम में वापसी

एजेंसी, एजेंसी, अमित पंघाल की 25 मई से 2 जून तक बैंकॉक में होने वाली आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई है। भारतीय मुक्केबाज महासंघ ने पिछले क्वालीफायर में भाग लेने वाली भारतीय टीम में 6 बदलाव किए हैं। वर्ल्ड चौंपियशिप के सिल्वर मेडलिस्ट अमित पंघाल की 25 मई से 2 जून तक बैंकॉक में होने वाली आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई है। भारतीय मुक्केबाज महासंघ ने पिछले क्वालीफायर में भाग लेने वाली भारतीय टीम में 6 बदलाव किए हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने पिछले क्वालीफायर में भाग लेने वाली भारतीय टीम में छह बदलाव किये है। भारतीय मुक्केबाजों ने पिछले ओलंपिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जिसमें सभी मुक्केबाज कोटा स्थान हासिल करने में असफल रहे थे। इसके बाद हाई परफार्मेंस निदेशक बर्नार्ड डन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। विदेशी कोच दिमित्री दिमित्रुक, सी.ए. कुट्टप्पा और धर्मेंद्र यादव की देखरेख में किये गये नवीनतम मूल्यांकन में 2023 विश्व चौंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया (51 किग्रा) और मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) के साथ ही अनुभवी शिव थापा (63.5 किग्रा) और मौजूदा राष्ट्रीय चौंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) टीम में जगह बनाने से चूक गए हैं। पंघाल ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों और 2024 स्ट्रैंड्जा मेमोरियल में स्वर्ण पदक जीता था। वह हालांकि मूल्यांकन में बार-बार भोरिया से पीछे रहे, इसलिए एशियाई खेलों और पहले विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में जगह नहीं बना पाये थे। भारत ने 2024 ओलंपिक के लिए अब तक चार कोटा स्थान हासिल कर लिए हैं, जिसमें निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), परवीन हुड्डा (57 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने पिछले साल एशियाई खेलों में पेरिस का टिकट कटाया था। तोक्यो ओलंपिक में भारत के नौ मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया था।

नेपाल के ऐरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

एजेंसी, अल अमेरात (कतर) । नेपाल के आक्रामक बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये। एरी ने यहां चल रहे 'एसीसी मेन्स प्रीमियर कप टी20' अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान मेजबान कतर के खिलाफ यह कारनामा किया। ऐरी से पहले भारतीय दिग्गज युवराज सिंह (टी20 विश्व कप 2007 के दौरान स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ) और वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड (2021 में श्रीलंका के अकिला धनंजय के खिलाफ) एक ओवर में छह छक्के लगा चुके हैं। चौबीस साल के ऐरी 21 गेंद की पारी में सात छक्के और तीन चौकों की मदद से 64 रन पर नाबाद रहे। उनकी इस ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से नेपाल ने सात विकेट पर 210 रन बनाये। कतर की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 178 रन बना सकी। नेपाल ने इस मैच को 32 रन जीता। नेपाल ने श्रृंखला के शुरूआती मैच में मलेशिया को पांच विकेट से हराया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐरी एक ओवर में छह छक्के जड़ने वाले पांचवें बल्लेबाज हैं। दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स और अमेरिका के जसकरन मल्होत्रा ने एकदिवसीय में एक ओवर में छह छक्के लगाये हैं। एरी इससे पहले भी लगातार छह छक्के लगा चुके हैं। पिछले साल सितंबर में हांगझोऊ एशियाई खेलों के दौरान उनका यह कारनामा दो ओवरों में पूरा हुआ था। नेपाल ने इस टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में तीन विकेट पर 314 रन का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया था।

आस्ट्रेलिया से पांचवां टेस्ट भी 2-3 से हारा भारत

श्रृंखला में सूपड़ा साफ

एजेंसी, पर्थ । भारतीय पुरूष हॉकी टीम को पांचवें और आखिरी टेस्ट में आस्ट्रेलिया ने 3 . 2 से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 5. 0 से जीत ली। पिछले चार मैचों में भारत को 1 . 5, 2 . 4, 1 . 2, 1 . 3 से पराजय का सामना करना पड़ा था। पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिये यह दौरा काफी महत्वपूर्ण था। भारत के लिये कप्तान हरमनप्रीत सिंह (चौथा मिनट) और बॉबी सिंह धामी (53वां मिनट) ने गोल दागे। आस्ट्रेलिया के लिये जेरेमी हैवर्ड (20वां), के विलोट (38वां) और टिम ब्रांड (39वां) ने गोल किये। भारत ने मैच में आक्रामक शुरूआत की। जुगराज सिंह ने आस्ट्रेलियाई हाफ में जरमनप्रीत सिंह को गेंद सौंपी लेकिन वह उसे पकड़ नहीं पाये। भारत को चौथे मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके कामयाबी दिलाई। हरमनप्रीत का यह श्रृंखला में तीसरा गोल था। आस्ट्रेलिया ने 20वें मिनट में हैवर्ड के गोल के दम पर बराबरी की। भारत के रिजर्व गोलकीपर सूरज करकेरा ने नाथन ई के शॉट पर मुस्तैदी से गोल बचाया। हाफटाइम के बाद आस्ट्रेलिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सूरज करकेरा ने गोल बचाया। भारत को 37वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत का निशाना चूक गया। आस्ट्रेलिया ने एक मिनट बाद विलोट के गोल के दम पर बढत बना ली। इसके एक मिनटबाद ब्रांड ने एडी ओकेंडेन के पास पर तीसरा गोल भी दाग दिया। भारत को 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन अमित रोहिदास गोल नहीं कर सके। मेजबान टीम को मिले दो पेनल्टी कॉर्नर को भारतीय डिफेंस ने बचाया। भारत के लिये दूसरा गोल धामी ने आखिरी सीटी बजने से सात मिनट पहले रिवर्स हिट पर दागा। यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था। इसके बाद हालांकि आस्ट्रेलियाई डिफेंडरों ने कोई गलती नहीं की और भारत बराबरी का गोल नहीं दाग सका।

जूनियर एनटीआर की देवारा से जुड़े करण जौहर

जूनियर एनटीआर स्टारर 'देवारा- पार्ट 1' से अब फिल्ममेकर करण जौहर जुड़ चुके हैं। करण ने अक्टूबर में रिलीज होने जा रही इस फिल्म के नॉर्थ इंडियन थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स खरीदे हैं। इस डील में करण का साथ रवीना टंडन के पति अनिल थडानी की कंपनी एए फिल्म्स भी देगी। दोनों ने युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स के साथ मिलकर यह कोलैबोरेशन किया है। इससे पहले करण 'बाहुबली', 'गाजी अटैक', 'बाहुबली 2' और 'रोबोट 2.0' से भी बतौर प्रेजेंटर जुड़ चुके हैं। इस डील की जानकारी देते हुए करण ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैन ऑफ मासेस जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवारा' का हिस्सा बनकर सम्मानित और बेहद आभारी महसूस कर रहा हूं। हम भारतीय सिनेमा में अगले बड़े सिनेमैटिक एक्सपीरियंस के लिए नॉर्थ स्ट्रेटस में इस फिल्म से बतौर डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर जुड़े हैं।' इससे पहले यह फिल्म इस साल 5 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, मेकर्स ने इसे वीएफएक्स वर्क अधूरा रहने के चलते टाल दिया था। अब यह इस साल दशहरा पर 10 अक्टूबर को रिलीज होगी। दो पार्ट्स में रिलीज होने वाली इस फिल्म का पहला पार्ट तेलुगु, तमिल, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगा। फिल्म में जूनियर एनटीआर के अलावा सैफ अली खान और जान्हवी कपूर भी नजर आएंगी। इसे कोरतला शिवा ने डायरेक्ट किया है। वर्कफ्रंट पर जूनियर एनटीआर जल्द ही मुंबई में अपनी अगली फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग शुरू करेंगे। इसमें वो ऋतिक रोशन से फेस ऑफ करते नजर आएंगे।

सलमान ने अनाउंस की अपनी अगली फिल्म 'सिकंदर'

सलमान खान ने ईद के मौके पर अपनी अगली फिल्म 'सिकंदर' की अनाउंसमेंट कर दी है। इस फिल्म को साउथ के मशहूर डायरेक्टर ए. आर. मुरुगाडोस डायरेक्ट करेंगे, जो इससे पहले 'गजनी' और 'हॉलीडे' जैसी हिंदी फिल्में डायरेक्टर कर चुके है। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके प्रोड्यूसर होगे। ईद के खास मौके पर सलमान ने सोशल मीडिया के जरिए इस फिल्म की अनाउंसमेंट की। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'इस ईद 'बड़े मियां छोटे मियां' और 'मैदान' को देखो और अगली ईद 'सिकंदर' से आ कर मिलो.. आप सभी को ईद मुबारक।' बता दें कि मुरुगाडोस और सलमान इससे पहले साथ में फिल्म 'जय हो' पर भी काम कर चुके हैं।

शादी को प्राइवेट ही रखना चाहती हैं तापसी पन्नू

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू की प्राइवेट वेडिंग सेरेमनी के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने पहली बार अपनी प्राइवेट वेडिंग पर बात की है। एक्ट्रेस ने कहा कि वो इसे प्राइवेट और पर्सनल ही रखना चाहती हैं। एक इंटरव्यू में जब तापसी से पूछा गया कि वो अपनी शादी को लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट कब करेंगी तो एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं इस बात को लेकर श्योर नहीं हूं कि मैं अपनी पर्सनल लाइफ में लोगों को इन्वॉल्व करना चाहती हूं या नहीं। मैंने जो किया वो मेरा फैसला है, ना कि मेरे पार्टनर का और ना ही उन लोगों का जो इस शादी में शामिल हुए थे। मैं श्योर नहीं हूं कि इसके पब्लिक होने पर मैं कैसा फील करूंगी इसलिए मैंने अब तक इसे अपने तक ही सीमित रखा है।'

जो करीबी थे उन्हें पता था

हालांकि, तापसी ने यह भी कहा कि उन्होंने जान बूझकर अपनी शादी को सीक्रेट नहीं रखा। एक्ट्रेस बोलीं, 'जो लोग वाकई मेरे करीब हैं वो इस सेलिब्रेशन का हिस्सा थे। उन्हें हमेशा से ही मेरे रिलेशनशिप के बारे में पता था और यह भी पता था कि मैं कब शादी करूंगी।'

अपनी शादी एंजॉय नहीं कर पाती

तापसी ने आगे कहा, 'मैं बस इसे पब्लिक अफेयर नहीं बनाना चाहती थी क्योंकि तब मुझे इस बात की टेंशन होती कि इसे पब्लिक में किस तरह से लिया जा रहा है। ऐसे में कहीं ना कहीं मैं खुद अपनी शादी खुलकर एंजॉय नहीं कर पाती।'

फोटोज शेयर करने के लिए मेंटली प्रिपेयर नहीं हूं

वहीं जब पूछा गया कि क्या वो आने वाले समय में इस फंक्शन के फोटोज और वीडियोज शेयर करेंगी तो एक्ट्रेस ने कहा, 'नहीं, मेरा ऐसा कोई प्लान नहीं है। मैं अभी इसके लिए मेंटली प्रिपेयर नहीं हूं। जो लोग मेरी शादी में थे उनके सामने में कम्फर्टेबल थी पर पब्लिकली इन्हें शेयर करने के लिए मैं अभी तैयार नहीं हूं। फ्यूचर में कभी कम्फर्टेबल हुई तो शायद मैं अपनी शादी के फोटो-वीडियो शेयर करूं पर फिलहाल तो नहीं।'

अंकिता ने शादी की वजह से ठुकराई थी भंसाली की रामलीला

कंगना रणौत एक ओर बीजेपी की टिकट पर अपनी राजनीतिक पारी खेलने को तैयार हैं, वहीं दूसरी ओर वे राजनीतिक ड्रामा फिल्म इमरजेंसी भी दर्शकों के सामने लाने वाली हैं। इस फिल्म में कंगना भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस बीच हाल ही में दिए साक्षात्कार में फिल्म के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने महिलाओं के लिए अपनी बात सामने रखी और साथ ही फिल्म के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। कंगना पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार के साथ सिनेमाई इतिहास बनाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने न केवल अभिनय किया है, बल्कि फिल्म का निर्देशन भी किया है। अभिनेत्री ने इस बारे में बात की कि आखिर इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित यह फिल्म क्यों बनाई। कंगना का कहना है कि साल की सबसे बड़ी राजनीतिक ड्रामा रिलीज में से एक मानी जाने वाली इस फिल्म का उद्देश्य इतिहास पर एक वास्तविक चित्रण प्रदान करना है।

कंगना रनौत ने कहा कि जैसा कि मैंने हमेशा कहा है, चाहे वह इंदिरा गांधी हों या कोई अन्य महिला, मुझे महिलाओं के प्रति बहुत सहानुभूति है। मैं इसका दिखावा नहीं कर सकती और मेरे दिल में महिलाओं के लिए सम्मान भी है, इसलिए मैंने उनके लिए बहुत काम किया है। मैंने इंदिरा गांधी के पूरे जीवन पर आधारित एक फिल्म बनाई है और जब आप एक कलाकार होते हैं तो हर चीज प्रेरणा का काम करती है। उन्हीं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मैंने वह फिल्म बनाई, इसलिए जब यह सामने आएगी तो मुझे लगता है कि हर किसी को यह पसंद आएगी। उन्हें इसे एक मनोरंजन फिल्म के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हमारे संविधान के साथ जो घटनाएं घटीं, उन घटनाओं के पीछे क्या कारण हैं? उन कारणों पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में हमारे संविधान के साथ कोई छेड़छाड़ न हो। एक नेता की विश्वसनीयता, गहरी छिपी सुरक्षा, असुरक्षा, ताकत या कमजोरी, सभी कारकों पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में हमारे संविधान में कोई हस्तक्षेप न हो, इसलिए मैंने यह फिल्म बनाई। कंगना रनौत द्वारा लिखित और निर्देशित इमरजेंसी में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

आउटफिट को लेकर फिर ट्रोल हुईं भूमि

भूमि पेडनेकर अपनी निजी जिंदगी को अलावा अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री इन दिनों अपने आगामी वर्क प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, भूमि ईद पार्टी की हिस्सा बनी थीं। इस पार्टी में अभिनेत्री ब्लैक और गोल्डन आउटफिट में नजर आईं। अभिनेत्री की तस्वीरें जैसी ही सोशल मीडिया पर वायरल हुई लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि यह सांस रोककर क्यों खड़ी होती हैं।

अब अंताक्षरी शो के होस्ट बनेंगे कपिल

साल 2006 में पहली बार टेलीविजन पर पंजाबी रियलिटी शो 'हंसदे हंसादे रवो' में कैमरे के सामने आए कॉमेडियन कपिल शर्मा का नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहा शो रंग जमाने में नाकाम रहा। नेटफ्लिक्स प्रबंधन अब इस कोशिश में है कि कैसे तरह इस शो के बचे हुए एपिसोड के लिए दर्शकों की रुचि बरकरार रखी जाए। इस बारे में दर्शकों की राय जानने के लिए बाकायदा सर्वे हो रहे हैं। इस बीच पता चला है कि कपिल शर्मा अब फिर से टेलीविजन पर एक शो होस्ट की तरह लौटने के जुगाड़ में हैं। अमेरिकी ओटीटी नेटफ्लिक्स के लिए कपिल शर्मा ने खुद ही अपनी कंपनी के बैनर तले एक साप्ताहिक कॉमेडी शो बनाया है, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो'। इस शो के अब तक दो एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं और दोनों ही एपिसोड से उनके प्रशंसक खासे निराश हुए हैं। इस शो को 10 लेखकों की टीम मिलकर लिख रही है लेकिन मामला जम नहीं पा रहा।

अब सिंगल से मिंगल होने को तैयार हैं कार्तिक

कार्तिक आर्यन अपने चार्म से फीमेल फैंस को दीवाना बनाते आए हैं। अपनी एक्टिंग के साथ ही वो अपने गुड लुक्स से भी लोगों का दिल जीतते रहे हैं। एक्टर का नाम उनकी को-एक्ट्रेसेज के साथ भी कई बार जुड़ चुका है। कभी सारा अली खान तो कभी जाह्नवी कपूर के साथ उनकी डेटिंग रूमर्स सामने आई, लेकिन अब काफी वक्त से भूल भुलैया 2 एक्टर किसी को डेट नहीं कर रहे हैं, वो लव रिलेशन से पूरी तरह दूर हैं, लेकिन हाल में ही उन्होंने रिलेशनशिप में आने का मन बना लिया है और ऐलान कर दिया है कि वो अब किसी को अपनी लाइफ में स्पेशल जगह देने के लिए पूरी तरह तैयार हो गए हैं और उन्होंने इसके लिए एक बी-टाउन हसीना को बड़ा जिम्मा भी सौंपा है। बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन शो नो फिल्टर नेहा के फिनाले एपिसोड में नजर आए। नो फिल्टर नेहा सीजन 6 के एक मजेदार सेगमेंट में नेहा ने कार्तिक से पूछा कि क्या वह सिंगल हैं और रिलेशनशिप के लिए तैयार हैं, इस पर एक्टर ने कहा, फिलहाल मैं पूरी तरह से सिंगल हूं। काफी समय हो गया है मैं किसी भी तरह के रिश्ते से दूर हूं। मतलब यह थोड़ा सा घिसा-पिटा जवाब है, लेकिन वास्तव में मैं अपनी फिल्म चंदू चैंपियन पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और उसमें बहुत सारे फोकस की जरूरत है। शो में पहुंचे एक्टर ने कहा, फिल्म इंडस्ट्री में कई सालों की भागदौड़ के बाद अब मुझे प्यार करने के लिए समय मिल गया है। मैंने शो की होस्ट नेहा धूपिया से भी अपने लिए किसी को ढूंढने के लिए कहा है।

नेहा को दी जिम्मेदारी

कार्तिक ने कहा, जिस तरीके की चीजें इस फिल्म में थी वह मैंने पहले कभी नहीं की थी। मैंने दो साल तक इसकी तैयारी की। समय ही नहीं मिला, मैं हर चीज बहुत नीरस और एक रोबोटिक जीवनशैली में जी रहा था, लेकिन अब मेरे पास प्यार करने के लिए समय है। मेरे लिए कोई ढूंढो, नेहा। इस पर नेहा धूपिया भी एक्टर द्वारा दी गई जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाती नजर आईं।

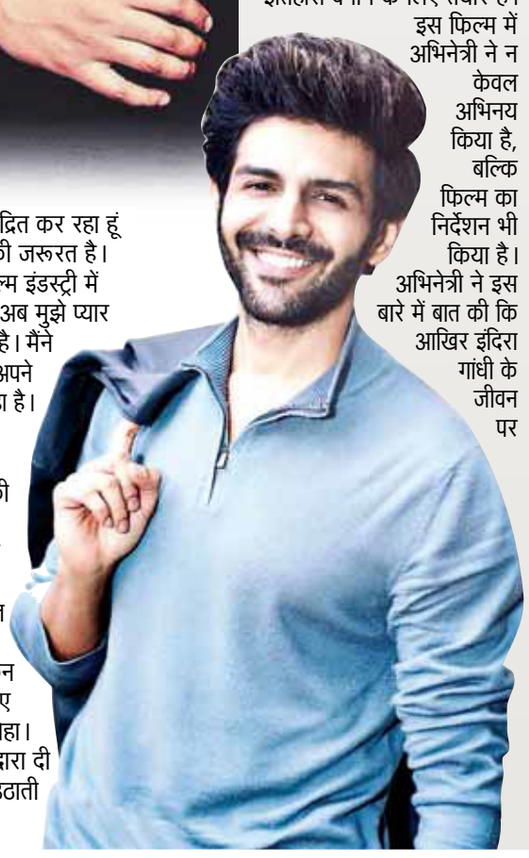

दोहरी भूमिका में नजर आएंगे थलापति विजय

बॉक्स ऑफिस पर पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म लियो देने वाले अभिनेता थलापति विजय इन दिनों अपनी अगली फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर खासी सुर्खियों में हैं। गुरुवार को इस फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के प्रदर्शन तिथि की घोषणा की। विजय की यह फिल्म लंबे समय से सुर्खियों में हैं। गुरुवार को फिल्म के निर्माताओं में से एक, ऐश्वर्या कल्पथी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। इसके साथ उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर भी साझा किया। पोस्टर में थलापति विजय दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। ऐश्वर्या ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में जानकारी देते हुए बताया कि फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' 5 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। यह फिल्म बेहद खास होने वाली है। फिल्म के नए पोस्टर में विजय एकदम अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में एक विस्फोट होता हुआ भी दिखाई दे रहा है। हाल ही में, थलापति विजय का फिल्म के सेट से एक वीडियो भी वायरल हुआ था.

हॉरर फिल्म में नजर आएंगे आयुष्मान

डायरेक्टर अनीस बज्मी इन दिनों भूल भुलैया 3 की शूटिंग में बिजी हैं। इसी के साथ खबर यह आ रही हैं कि अनीस बज्मी एक्टर आयुष्मान खुराना के साथ एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म शुरू करने वाले हैं, जिसका नाम भूतियापा बताया जा रहा है। हालांकि अभी तक इस फिल्म की ऑफिसियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। फिलहाल अनीस बज्मी का इस समय पूरा ध्यान भूल भुलैया 3 पर है, जिसमें कार्तिक आर्यन के अलावा विद्या बालन और तृप्ति डिमरी भी अहम किरदारों में दिखेंगी। इस फिल्म की शूटिंग के बाद अनीस बज्मी नो एंट्री 2 की तैयारी में जुट जाएंगे, जिसमें वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि नो एंट्री 2 के बाद अनीस बज्मी फिल्म भूतियापा पर काम शुरू करेंगे। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान आयुष्मान खुराना से अनीस बज्मी के साथ काम करने को लेकर सवाल किया गया तो आयुष्मान खुराना ने कहा - मैं अब इसे कैसे बताऊं। कुछ होगा तो जरूर बताऊंगा। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो पिछले दिनों अनीस बज्मी ने आयुष्मान खुराना ने फिल्म भूतियापा को लेकर बात की। आयुष्मान खुराना के वर्क फ्रंट की बात करें तो सौरव गांगुली की बायोपिक के अलावा जेपी दत्ता की फिल्म बॉर्डर 2 में काम करने की चर्चा है। फिलहाल आयुष्मान खुराना का फोकस अपने म्यूजिक करियर पर है। उन्होंने वार्नर म्यूजिक इंडिया से हाथ मिलाया है। उनका गाना अंख दा तारा हाल ही में रिलीज हुआ, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है।